JBT जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 सोचनीयः अब क्यों नहीं आतीं घरों में गौरैया | 07 मेस्सी ने किया 900वां गोल, रोनाल्डो के क्लब में हुए शामिल | पहली फिल्म से रातों-रात स्टार बनीं तनुश्री दत्ता 08

देश के ऊर्जा क्षेत्र में योगदान दें वैश्विक निवेशक : प्रधानमंत्री

वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने उनसे भारत में 'निर्माण, निवेश, नवाचार एवं विस्तार' करने का भी आग्रह किया। यशोभूमि में आयोजित 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन' 2026 में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लिखित संदेश पढ़ा, जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं वैश्विक समुदाय को भारत में निर्माण करने, भारत में नवाचार करने, भारत में निवेश करने और भारत के साथ विस्तार करने के लिए आमंत्रित करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन सार्थक संवाद एवं स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देगा, जो भारत की वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पूरे बिजली व ऊर्जा तंत्र को एक मंच पर लाना है, ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो, सहयोग को बढ़ावा मिले और विकास व जीवन स्तर सुधार के लिए साझा मार्ग तैयार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विकास को ऊर्जा प्रदान करने एवं स्थिरता लाने, वैश्विक स्तर पर जुड़ने और 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और हम अवसंरचना को मजबूत कर रहे हैं तथा सभी के लिए विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की प्रगति इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मोदी ने कहा कि 50 फीसदी से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पहले ही हासिल की जा चुकी है और 2030 तक 500 गीगावाट का स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' जैसी पहल वैश्विक सहयोग के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, बैटरी विनिर्माण को आगे बढ़ाने, हरित रोजगार सृजन और साहसिक सुधारों के माध्यम से निवेश को सक्षम बनाने में एक विश्वसनीय ऊर्जा भागीदार के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने कहा कि 'शांति अधिनियम 2025' परमाणु ऊर्जा में नए अवसर खोलता है, जबकि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना विकेंद्रीकृत उत्पादन एवं टिकाऊ खपत को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वितरण सुधार एवं दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिससे वित्तीय स्थिति सुधारने में मदद मिली है। इससे अधिक कुशल व टिकाऊ क्षेत्र का संकेत मिलता है, जिसमें मूल्य श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर व्यापक अवसर हैं और भारत बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन भारत के विकास को गति प्रदान करने हेतु सार्थक संवाद और दीर्घकालिक साझेदारियों को उत्प्रेरित करेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आज चार दिवसीय 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन' 2026 की शुरुआत हुई है, जो 22 मार्च तक चलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस, ओमान और मलेशिया के नेताओं से बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को ओमान के सुल्तान, मलेशिया के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इन नेताओं के साथ पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्ष शीघ्र रोकने और बातचीत एवं कूटनीति के रास्ते पर दोबारा लौटने की जरूरत पर बल दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपने मित्र राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों से बातचीत की और खाड़ी क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपने घनिष्ठ समन्वय को जारी रखने पर बल दिया। वहीं, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बातचीत में उन्होंने उन्हें और वहां की जनता को ईद उल फितर की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से सार्थक बातचीत में उन्होंने उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दी। साथ ही इस बात पर सहमति जताई कि तनाव कम करने और शांति एवं स्थिरता बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। बातचीत में प्रधानमंत्री ने दोहराया कि भारत, ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा करता है और भारतीय नागरिकों सहित हजारों लोगों की सुरक्षित वापसी में ओमान के प्रयासों की सराहना करता है। भारत-ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित एवं मुक्त परिचालन के समर्थक हैं।

ईरान ने खाड़ी में तेल एवं गैस प्रतिष्ठानों पर हमले तेज किए

दुबई। ईरान ने अपने एक प्रमुख गैस फील्ड पर इजराइल के हमले के जवाब में बृहस्पतिवार को खाड़ी देशों में तेल और गैस के प्रतिष्ठानों पर हमले बढ़ा दिए और इस तरह युद्ध की स्थिति गहराती जा रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रही है।

इन हमलों के बाद ईंधन के दामों में तेजी से वृद्धि हुई और ईरान के पड़ोसी अरब देशों के सीधे संघर्ष के दायरे में आने का खतरा बढ़ गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के लगातार अवरोधों के कारण पहले से दबाव में बनी हुई वैश्विक आपूर्ति ईरान के इन हमलों से और अधिक दबाव में आ रही है। इस क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात के तट के पास एक जहाज में आग लगा दी गई और कतर के पास एक अन्य जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। एक ईरानी ड्रोन से लाल सागर में स्थित सऊदी अरब की एक रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। इजराइल और अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमलों के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 118 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं।

तेल के अंतरराष्ट्रीय मानक 'ब्रेंट क्रूड' की कीमत युद्ध शुरू होने के बाद से 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के हमलों की निंदा की। अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने इसे खतरनाक तरीके से उकसावे वाला बताया। सऊदी अरब ने बताया कि एक ड्रोन ने लाल सागर के किनारे स्थित बंदरगाह शहर यानबू में देश की एसएएमआरईएफ रिफाइनरी पर बृहस्पतिवार को हमला किया। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है लेकिन उसने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। यह हमला कुवैत की दो तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले के बाद हुआ। ईरान ने फारस की खाड़ी में 'साउथ पार्स' प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर बुधवार को किये गये इजराइली हमले के जवाब में ये हमले किए।

बहरीन की बापको रिफाइनरी से निकलता धुआं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया कि इजराइल ईरान के प्रमुख गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' पर और हमले नहीं करेगा लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अगर ईरान ने कतर पर फिर हमला किया तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस "पूरे क्षेत्र को उड़ा देगा।" वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल और कतर पर ईरानी मिसाइल हमलों के बीच ट्रंप ने बुधवार रात सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी की।

ट्रंप ने कहा कि मैं इस पैमाने की हिंसा और विनाश की अनुमति नहीं देना चाहता क्योंकि इसका ईरान के भविष्य पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर कतर के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) स्थलों पर फिर हमला हुआ तो वह ऐसा करने में कतई हिचकिचाएंगे नहीं। उधर पेंटागन ने ईरान युद्ध के लिए 200 अरब डॉलर का अतिरिक्त कोष मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इजराइल के हमलों में ईरान के खुफिया मंत्री की मौत हो गई है। इजराइल ने शीर्ष ईरानी नेतृत्व के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए बुधवार को ईरान के अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर कथित तौर पर हमला किया जिससे क्षेत्र की आर्थिक जीवनरेखा यानी ऊर्जा पर दबाव और बढ़ गया। ईरान ने उसके विशाल प्राकृतिक गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' पर हुए हमले की निंदा की।

पाकिस्तान को अमेरिकी खुफिया प्रमुख ने बताया खतरा

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को लेकर दुनिया को आगाह किया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान का इतिहास परमाणु हथियारों के प्रसार का रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान अमेरिकी खुफिया एजेंसी की प्रमुख की तरफ से पाकिस्तान से संभावित खतरे को लेकर दिए गए बयान पर आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में पड़ोसी देश पर निशाना साधा। उन्होंने पाकिस्तान के गुप्त परमाणु प्रसार के दस्तावेजी इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि पाकिस्तान का गुप्त परमाणु प्रसार का इतिहास रहा है और इस तरह के बयान एक बार फिर यह स्पष्ट करते हैं कि उनके गुप्त परमाणु अभियानों के कारण वे दुनिया के लिए किस तरह का खतरा पैदा करते हैं।

CBI ने अनिल अंबानी से आठ घंटे तक की पूछताछ, आज भी बुलाया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अंबानी और ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक अमित डांगी से गुरुवार को पूछताछ की।

जांच एजेंसी ने अनिल अंबानी से आठ घंटे और डांगी से करीब सात घंटे तक कई सवाल पूछे। अनिल अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को भी बुलाया गया है। सीबीआई ने बताया कि अनिल अंबानी आज जांच एजेंसी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचे और उनसे लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की गई। उन्हें शुक्रवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह मामला 21 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इसमें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड,

अनिल अंबानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित कुछ अज्ञात लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है। शिकायत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने की थी, जो 11 बैंकों के कंसोर्टियम की लीड बैंक है।

फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 2013 से 2017 के बीच समूह कंपनियों के बीच जटिल लेन-देन के जरिए बड़े पैमाने पर फंड डायवर्जन और दुरुपयोग किया गया। इससे एसबीआई को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कुल मिलाकर 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एक्सपोजर 19,694.33 करोड़ रुपये था। इस मामले में सीबीआई ने मुंबई में रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो आधिकारिक परिसरों और अनिल अंबानी के आवास पर तलाशी भी ली थी, जहां से कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए।

इसके अलावा पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं। सीबीआई ने बताया कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ एक और मामला इसी साल 25 फरवरी को दर्ज किया गया है, जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत शामिल है। इसी साल 5 मार्च को पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर एक अन्य केस दर्ज किया गया है।

चुनाव आयोग ने 15 आईपीएस अधिकारियों को राज्य से बाहर भेजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 15 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों की राज्य सरकार द्वारा की गई वैकल्पिक तैनाती रद्द कर दी है। आयोग ने इन अधिकारियों को अन्य चुनावी राज्यों में पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त करने का निर्णय लिया है। बुधवार देर रात जारी अधिसूचना में आयोग ने स्पष्ट किया कि जिन अधिकारियों को पहले उनके पदों से हटाकर चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों से अलग किया गया था, उन्हें राज्य के भीतर अन्य पदों पर रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जीएसटी रिश्वत मामले में आईआरएस अधिकारी की जमानत याचिका खारिज

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने झांसी में उपायुक्त (केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर) के पद पर तैनात रही भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी प्रभा भंडारी को 1.5 करोड़ रुपये की रिश्वत के मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की पीठ ने भंडारी की जमानत याचिका पर 10 मार्च को यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि रिश्वत के लेनदेन से कथित तौर पर जुड़ी बातचीत की रिकॉर्डिंग समेत रिकॉर्ड में दर्ज तथ्यों को देखते हुए जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की दूसरी सूची जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी। इस सूची में 112 विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इसके साथ ही पहली सूची में एक उम्मीदवार का नाम भी बदला गया है। इससे पहले भाजपा ने पहली सूची में 144 उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

दूसरी सूची जारी होने के बाद अब 38 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित होने बाकी हैं। दूसरी सूची के अनुसार, हावड़ा के श्यामपुर से हिरण चट्टोपाध्याय को टिकट दिया गया है। सोनारपुर दक्षिण सीट पर रूपा गांगुली को उम्मीदवार बनाया गया है, जहां उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस की लवली मैत्रा से होने की संभावना है। बैरकपुर के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह को नोआपाड़ा से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं बैरकपुर विधानसभा सीट से अधिवक्ता कौस्तव बागची को टिकट दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कूचबिहार के पूर्व सांसद निशीथ प्रमाणिक को माथाभांगा से उम्मीदवार बनाया गया है। टॉलीगंज से पापिया अधिकारी और जादवपुर से शर्बरी मुखोपाध्याय को टिकट मिला है।

केरल में भी भाजपा ने जारी की 39 उम्मीदवारों सूची

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी। इस सूची में 39 उम्मीदवारों के नाम हैं। इसके साथ ही पार्टी अब तक कुल 86 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

असम विस चुनावः भाजपा की पहली सूची में मुख्यमंत्री हिमंत सहित 88 उम्मीदवारों के नाम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों की पहली सूची गुरुवार को जारी की। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का भी नाम है। भाजपा के मुताबिक केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में बुधवार को सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह एवं केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे। चुनाव समिति ने असम में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों के नामों की स्वीकृति दी है। इसमें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा समेत कई बड़े नेताओं के नाम हैं।

भक्तों की भीड़ अपार, माता रानी की पुकार

नोएडा में चैत्र नवरात्रि की धूम, सुबह से मंदिरों में उमड़ी भीड़, श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंजा परिसर

नोएडा। नोएडा में चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होते ही भक्तिभाव का माहौल नजर आने लगा है। घरों और मंदिरों में कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना शुरू हो गई है। नोएडा के अलग-अलग इलाकों में मंदिरों को खास तरीके से सजाया गया है और पंडालों में भी रौनक बढ़ गई है। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचकर माता के दर्शन कर रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कई जगह बैरिकेडिंग की गई है, ताकि भीड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित किया जा सके। शहर के सनातन धर्म मंदिर में सुबह पांच बजे ही कपाट खोल दिए गए और विधि-विधान से कलश स्थापना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को बैरिकेडिंग के जरिए एक-एक कर मंदिर में प्रवेश दिया गया। इसी तरह सेक्टर-20 हनुमान मंदिर और लाल मंदिर सेक्टर-2 समेत कई मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर समितियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अलग-अलग लाइनें बनाई हैं और हर जगह पुलिस बल की तैनाती की गई है। नवरात्रि के चलते शहर के कई इलाकों में पूजा-पंडाल सज गए हैं, जहां नौ दिनों तक माता के भजन, कीर्तन और पाठ आयोजित किए जाएंगे। सर्फाबाद के प्राचीन मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

पुजारियों के मुताबिक, पूरे नवरात्रि के दौरान सुबह-शाम विशेष आरती और दुर्गा सप्तशती का पाठ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। नवरात्रि को लेकर बाजारों में भी जबरदस्त रौनक देखने को मिली। श्रद्धालु कलश, चुनरी, नारियल, जौ, अगरबत्ती, शहद, मिष्ठान और फल जैसी पूजा सामग्री की खरीदारी करते नजर आए। इसके अलावा माता दुर्गा की मूर्तियों और नए वस्त्रों की दुकानों पर भी अच्छी खासी भीड़ रही। व्यापारियों का कहना है कि नवरात्रि के चलते बिक्री में बढ़ोतरी हुई है और अगले कुछ दिनों तक यही माहौल बना रहेगा।

नोएडा में 15 वर्षीय किशोरी लापता, परिवार ने पुलिस से लगाई गुहार

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र से एक नाबालिग किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि सेक्टर-115 स्थित लेबर कैंप से 15 वर्षीय किशोरी अचानक घर से बिना कुछ बताए निकल गई और फिर वापस नहीं लौटी। घटना के बाद परिवार में बेचैनी का माहौल है, जबकि नोएडा पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, नोएडा के सेक्टर-115 स्थित आइवरी काउंटी के पास बने लेबर कैंप में रहने वाली एक महिला ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनकी 15 वर्षीय बेटी 17 मार्च को घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं पहुंची। परिवार ने पहले अपने स्तर पर आसपास और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं मिल सका। नोएडा में किशोरी के अचानक लापता होने के बाद परिजनों ने हर संभव जगह उसकी खोजबीन की। काफी देर तक इंतजार और तलाश के बाद जब कोई जानकारी नहीं मिली तो मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मां की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलते ही मामले को गंभीरता से लिया गया है। नोएडा पुलिस अब लापता किशोरी की तलाश में जुटी है और आसपास के इलाकों के साथ अन्य संभावित स्थानों पर भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि किशोरी अपनी मर्जी से गई है या उसके पीछे कोई और कारण है।

संक्षिप्त खबरें

पानी से भरे तालाबनुमा गड्ढे में डूबने से 5 वर्षीय बच्चे की मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में बादलपुर थाना क्षेत्र की प्रीत विहार कॉलोनी में पानी से भरे तालाबनुमा गड्ढे में डूबने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बादलपुर थाना प्रभारी अमित कुमार भडाना ने बताया कि मूलतः रामपुर के रहने वाले ई-रिक्शा चालक उमेश कुमार का पांच वर्षीय बेटा देव बुधवार शाम को खेलने के लिए घर से निकला था और वह खेलते-खेलते गड्ढे के पास पहुंच गया तथा पैर फिसलने के कारण उसमें गिर गया। भडाना ने बताया कि बच्चे को पानी से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दो घरों का ताला व कार का शीशा तोड़कर लाखों के जेवरात, नकदी व लैपटॉप चोरी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में थाना बीटा-टू क्षेत्र में बदमाशों ने दो घर का ताला तोड़कर घर में रखे हुए लाखों रुपए की नकदी रुपए कीमत जेवरात सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके अलावा इसी थाना क्षेत्र में एक कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप और कीमती सामान बदमाशों ने चुरा लिया है। पुलिस पीड़ितों की शिकायत पर मामले की जांच कर रही है। थाना बीटा-टू के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि राजेश कुमार पुत्र कल्याण सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह बीटा-दो सेक्टर में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार वह किसी काम से घर से बाहर गए थे। जब वापस आए तो उन्होंने देखा कि बदमाशों ने उनके घर का ताला तोड़कर घर में रखी हुई सवा लाख रुपए की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में अविनाश कुमार सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह बीटा-दो सेक्टर में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने उनके घर का ताला तोड़कर घर में रखे हुए लाखों रुपए कीमत के जेवरात और नकदी आदि चोरी कर लिया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा एक महिला शारदा गुप्ता पत्नी केके गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह जगत फार्म मार्केट में अपनी कार में सवार होकर खरीदारी करने गई थी। इसी बीच अज्ञात बदमाशों ने उसकी कार का शीशा तोड़कर कार में रखा हुआ कीमती लैपटॉप और अन्य सामान चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि तीनों पीड़ितों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा पुलिस ने वॉन्टेड अपराधी को दबोचा, 5 साल से था फरार

नोएडा। नोएडा में साइबर अपराध का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक महिला के फोन को हैक कर उससे 40 लाख रुपये की मांग की गई और आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दी गई। इस मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब पांच साल से फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार कश्मीर के लाल बाजार इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान बिलाल गिलानी के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ पहले से ही नोएडा और मथुरा में मुकदमे दर्ज हैं। पीड़ित महिला का आरोप है कि बिलाल गिलानी और उसके साथियों ने पहले धोखाधड़ी कर उससे पैसे हड़प लिए थे। इस मामले में महिला ने साल 2020 में मथुरा के नौहझील थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद से ही आरोपी लगातार महिला पर केस वापस लेने का दबाव बना रहा था। आरोप है कि बिलाल ने महिला का फोन हैक कर लिया और उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। साथ ही आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे 40 लाख रुपये की मांग की गई। महिला ने 10 अक्टूबर 2021 को नोएडा के फेज-3 थाने में भी इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद से पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। हालांकि, आरोपी बेहद शातिर था और हर बार लोकेशन ट्रैक होते ही फरार हो जाता था। पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस और लगातार निगरानी के जरिए उसकी लोकेशन ट्रेस की। आखिरकार पुख्ता सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कश्मीर के लाल बाजार इलाके में छापेमारी कर उसे उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, बिलाल गिलानी पिछले पांच साल से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी पर साइबर क्राइम, धमकी और रंगदारी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

ग्रेटर नोएडा की सोसायटी में नवरात्र पर पूजा से रोकने पर भड़के रेजिडेंट्स

बिल्डर पर पुलिस बुलाकर डराने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। चैत्र नवरात्र के बीच ग्रेटर नोएडा की एक सोसायटी में पूजा-अर्चना को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सोसायटी में बने मंदिर में पूजा करने पहुंचे लोगों को बिल्डर की ओर से रोकने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद मौके पर हंगामा हो गया। मामला ग्रेटर नोएडा की हेमिस्पेयर सोसायटी का है। सोसायटी निवासियों के अनुसार हाल ही में परिसर में मंदिर की स्थापना की गई थी और लोग रोज की तरह पूजा-अर्चना कर रहे थे। इसी दौरान बिल्डर अपने कुछ साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और लोगों को पूजा करने से रोकने की कोशिश की। निवासियों का आरोप है कि बिल्डर करीब आधा दर्जन लोगों के साथ आया और पूजा रोकने को कहा। इस पर सोसायटी वासियों और बिल्डर के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। निवासियों ने बिल्डर की इस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए इसे मनमानी बताया। निवासियों का कहना है कि मामला बढ़ने पर बिल्डर ने ही पुलिस को बुला लिया और लोगों को डराने की कोशिश की। इससे कुछ देर के लिए सोसायटी में तनाव का माहौल बन गया। दूसरी ओर बिल्डर का कहना है कि सोसायटी में मंदिर बिना नक्शा पास कराए और बिना अनुमति के बनाया गया है। उनका कहना है कि किसी भी निर्माण से पहले संबंधित प्राधिकरण से मंजूरी लेना जरूरी होता है। इस मामले में सूरजपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस बल भेजा गया था। फिलहाल स्थिति सामान्य है और दोनों पक्षों को समझा दिया गया है। एहतियात के तौर पर सोसायटी में पुलिस की निगरानी रखी गई है।

मैट्रिमोनियल साइट पर शादी का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाला नाइजीरियाई गिरफ्तार

नोएडा। यदि आप भी मैट्रिमोनियल साइट्स या सोशल मीडिया पर जीवनसाथी की तलाश कर रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए एक बड़ी चेतावनी है, खासकर महिलाओं के लिए। नोएडा के थाना साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो फर्जी प्रोफाइल बनाकर महिलाओं को अपने प्रेमजाल में फंसाता था और फिर कस्टम क्लीयरेंस व पार्सल के नाम पर जीवन साथी कर तलाश कर रही महिलाओं से करोड़ों रुपयों की ठगी करता था।

डीसीपी साइबर सेल शैव्या गोयल ने बताया कि नोएडा के थाना साइबर क्राइम पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद से अंतरराष्ट्रीय ठग गिरोह के सरगना सैमुअल ओगुन उर्फ स्टेपनी डेरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से नाइजीरिया का रहने वाला है और भारत में पहचान बदलकर रह रहा था। आरोपी के पास से पुलिस ने 5 मोबाइल फोन और 1 लैपटॉप 1 टैबलेट और वाई-फाई राउटर, दो अलग-अलग देशों के पासपोर्ट और कई फर्जी दस्तावेज बरामद किया है।

डीसीपी साइबर ने बताया कि सैमुअल ओगुन से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। यह आरोपी मैट्रिमोनियल साइट्स से महिलाओं का डेटा चोरी करता था और हैंडसम बिजनेसमैन बनकर उनसे दोस्ती करता था। इसके बाद वह महिलाओं को झांसा देता था कि वह अपना सारा बिजनेस समेटकर भारत आ रहा है और उनसे शादी करेगा। वह फर्जी एयर टिकट भेजकर भरोसा जीतता था और फिर एयरपोर्ट पर कस्टम या सिक्योरिटी जांच में फंसने का नाटक कर पीड़िता से पैसे ऐंठता था। आरोपी ने एक महिला से 56 लाख और दूसरी से 1.26 करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है। उन्होंने बताया कि आरोपी बेहद शातिर है। एक पासपोर्ट अमान्य होने पर वह दूसरे देश गया और वहां से नई पहचान के साथ नया पासपोर्ट बनवाकर फिर भारत आया। वर्तमान में भी वह 15 से 16 महिलाओं को अपने जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा था। उसके खिलाफ तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि गौतमबुद्धनगर साइबर क्राइम पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और बैंक खातों की पड़ताल कर रही है।

नोएडा लव जिहाद मामला: थाना प्रभारी और जांच अधिकारी निलंबित, शीर्ष अधिकारियों से जवाब तलब

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में शादी का झांसा देकर दलित महिला से दुष्कर्म करने और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के कथित प्रयास से जुड़े मामले में उचित कार्रवाई नहीं करने पर बृहस्पतिवार को थाना प्रभारी और मामले के जांच अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर की गयी। उन्होंने बताया कि पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने पुलिस उपायुक्त से स्पष्टीकरण मांगा जबकि सहायक पुलिस आयुक्त को थाना प्रभारी व जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना फेस-तीन क्षेत्र में रहने वाली एक दलित महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने शुरू में अपना धर्म छिपा कर उससे दोस्ती की और बाद में शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाये। शिकायतकर्ता के अनुसार, व्यक्ति उसका जबरन धर्म परिवर्तन करना चाह रहा था और आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करके उससे लाखों रुपया ऐंठ लिये थे। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता मूलरूप से मध्यप्रदेश की रहने वाली है और पिछले कई साल से थाना क्षेत्र में रहकर एक निजी कंपनी में काम कर रही है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार उससे लाखों रुपये ऐंठ लिए। दक्षिणपंथी संगठनों ने इस मामले को लेकर मंगलवार रात थाना फेस-तीन का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। अधिकारियों के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने के बाद जांच में पुलिस की लापरवाही सामने आई। उन्होंने बताया कि इस मामले के संबंध में सुसंगत धाराएं नहीं होने के कारण पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल नोएडा) शक्ति मोहन अवस्थी से स्पष्टीकरण मांगा गया और सहायक पुलिस आयुक्त (सेंट्रल नोएडा प्रथम) उमेश यादव को प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि थाना प्रभारी फेस-तीन पुनीत कुमार और जांच अधिकारी उपनिरीक्षक प्रीति गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों की लापरवाही के मामले की विभागीय जांच अपर पुलिस उपायुक्त मनीषा सिंह को सौंपी गई है।

जेवर में देर रात बारिश ने किसानों को किया तबाह

गेहूं की फसल बर्बाद होने से भारी नुकसान, अन्नदाताओं ने की मुआवजे की मांग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र में बुधवार देर रात आए तेज तूफान और बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कई गांवों में खड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों में चिंता का माहौल है। जिस फसल की कटाई कुछ ही दिनों में शुरू होने वाली थी, वह अब खेतों में गिरकर खराब हो गई है। अचानक बदले मौसम ने किसानों को संभलने का मौका तक नहीं दिया और उनकी महीनों की मेहनत कुछ ही घंटों में प्रभावित हो गई।

आवास एवं विकास स्थानीय किसानों के मुताबिक, गेहूं की फसल पूरी तरह तैयार थी और उसमें बाल भी आ चुके थे। किसान कटाई की तैयारी में जुटे थे, लेकिन तेज हवाओं और बारिश ने पूरी स्थिति बदल दी। खेतों में खड़ी फसल गिर जाने से न सिर्फ उत्पादन कम होगा, बल्कि दानों की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। किसान ओमवीर नागर, सतीश कनारसी और दिनेश नागर सहित कई किसानों ने बताया कि यह नुकसान उनके लिए काफी बड़ा झटका है, क्योंकि उन्होंने बीज, खाद और सिंचाई पर पहले ही काफी खर्च किया था। किसानों का कहना है कि इस नुकसान का सीधा असर उनकी आमदनी पर पड़ेगा। कई किसान पहले से ही आर्थिक दबाव में हैं और अब फसल खराब होने से उनकी स्थिति और मुश्किल हो सकती है। खेतों में गिरी फसल को संभालना भी आसान नहीं होता, जिससे लागत और बढ़ जाती है। ऐसे में किसान काफी परेशान नजर आ रहे हैं और भविष्य को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जाए और नुकसान का आकलन कर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। उनका कहना है कि अगर समय पर राहत नहीं मिली, तो उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। किसानों को उम्मीद है कि सरकार इस मुश्किल वक्त में उनकी मदद करेगी और नुकसान की भरपाई के लिए ठोस कदम उठाएगी।

दिल्ली पुलिस और अधिकारी सभी त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराएं : हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्तम नगर में ईद पर खून की होली खेलने की धमकियों के मद्देनजर दिल्ली पुलिस और स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिया है कि वो स्थिति को काबू में रखने के लिए कानून के मुताबिक हरसंभव उपाय करें। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि त्योहारों के मौके पर शांतिपूर्ण माहौल बनाने के लिए सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था करें। मामले की अगली सुनवाई 6 अप्रैल को होगी।

उच्च न्यायालय ने कहा कि ये आदेश रामनवमी और नवरात्र पूरा होने तक जारी रहेगा। उच्च न्यायालय ने कहा कि ये सरकार और पुलिस की जिम्मेदारी है कि किसी भी धार्मिक आयोजन में किसी भी पक्ष की ओर से कोई गुंडागर्दी नहीं हो। 4 मार्च की घटना को देखते हुए याचिका में जो आशंका जताई गई है उसके मद्देनजर पुलिस और प्रशासन को अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी।

उच्च न्यायालय ने कहा कि दिल्ली पुलिस की सुरक्षा इस तरह होनी चाहिए कि लोगों में सुरक्षा का अहसास हो। उच्च न्यायालय ने कहा कि किसी भी पक्ष को शरारत करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कोर्ट ने एएसजी चेतन शर्मा से कहा कि वो अधिकारियों को ये निर्देश दें कि कोई भी कमी नहीं रहे क्योंकि दिल्ली में कोई भी घटी घटना का अपना असर होता है। तब चेतन शर्मा ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने सब कुछ नियंत्रण में रखा है और कुछ भी बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की इस दलील पर गौर किया कि विभिन्न पुलिस थानों ने इसके प्रयास किए हैं कि ईद शांतिपूर्वक मने, लेकिन इंतजाम मजबूत करने की जरूरत है।

उच्च न्यायालय ने 18 मार्च को उत्तम नगर में ईद पर खून की होली खेलने की धमकियों के बाद सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करने को तैयार हो गया था। एक वकील ने चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मेंशन करते हुए कहा था कि इस तरह के मैसेज भेजे जा रहे हैं कि 'खून की होली ईद पर खेलेंगे'। उसके बाद कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करने का आदेश दिया। उत्तम नगर में आरोपितों के घरों को गिराने के मामले पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने पहले की सुनवाई के दौरान दिल्ली नगर निगम ने भरोसा दिया था कि उत्तम नगर में होली के दौरान हुई हत्या के मामले के आरोपितों के घरों में अवैध निर्माण को बिना पूर्व नोटिस के नहीं तोड़ा जाएगा।

दरअसल, दिल्ली नगर निगम ने 8 मार्च को उत्तम नगर हत्याकांड में शामिल एक आरोपित के घर के कुछ अवैध हिस्सों को ध्वस्त कर दिया था। 4 मार्च को होली के दौरान तरुण भुटोलिया नामक 26 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद इस मामले के एक आरोपित के घर के अवैध हिस्से को नगर निगम ने गिरा दिया था। इस मामले में आरोपित मुस्लिम समुदाय का है जिसकी वजह से इसे सांप्रदायिक रंग दिया गया।

मुख्यमंत्री ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चैत्र नवरात्रि के अवसर पर गुरुवार को झंडेवालान मंदिर में मां आदिशक्ति की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि चैत्र नवरात्रि भारतीय संस्कृति का एक पावन पर्व है, जो शक्ति, श्रद्धा और नवआरंभ का प्रतीक है। यह नौ दिनों का उत्सव मां आदिशक्ति के विभिन्न स्वरूपों की आराधना का अवसर है, जहां भक्ति के साथ आत्मसंयम, साधना और सकारात्मक ऊर्जा का संकल्प जुड़ा होता है। मुख्यमंत्री इस दौरान झंडेवालान मंदिर में आयोजित भजन क्लबिंग में मां आदिशक्ति की भक्ति और संगीत के दिव्य संगम का अनुभव किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि भक्ति की इस मधुर धारा ने वातावरण को मां के जयकारों से गुंजायमान कर दिया। यह नया सांस्कृतिक स्वरूप हमारे युवाओं को सनातन परंपरा से जोड़ते हुए उनके भीतर श्रद्धा, ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के सुल्तानपुरी में हवा में गोलियां चलाई गईं, प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में एक मोमो स्टॉल में तोड़फोड़ करने के बाद कथित तौर पर लोगों के एक समूह ने हवा में गोलियां चलाईं। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गोलीबारी का कारण दो समूहों के बीच जारी दुश्मनी को बताया गया है। बुधवार रात करीब 10.44 बजे सुल्तानपुरी पुलिस थाने को गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां उन्हें मोमो का स्टॉल चलाने वाला व्यक्ति मिला। सुल्तानपुरी निवासी इरफान (29) ने पुलिस को बताया कि वह अपने स्टॉल पर था कि अचानक कुछ लोग आए और खाने-पीने की चीजें तथा मोमो फेंकने लगे और हंगामा करने लगे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, "उनमें से एक ने हवा में गोली चलाई और फिर सभी मौके से फरार हो गए।" जांच के दौरान पुलिस को एक खाली कारतूस मिला, जिससे घटना में हथियार के इस्तेमाल की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गोलीबारी दो समूहों के बीच लंबे समय से चली आ रही व्यक्तिगत दुश्मनी की वजह से हुई हो सकती है, जो हाल ही में सोशल मीडिया पर हुई झड़पों के माध्यम से और बढ़ गई थी। अधिकारी ने कहा, "शिकायतकर्ता और आरोपी एक दूसरे को जानते हैं तथा उनके बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। उनकी पहचान स्थापित हो चुकी है।" सुल्तानपुरी पुलिस थाने में 19 मार्च को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें जान को खतरा पैदा करना और आपराधिक कृत्य से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

केजरीवाल ने नव संवत्सर के साथ गुड़ी पड़वा व चैत्र नवरात्रि की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नव संवत्सर के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में भारत की सांस्कृतिक विविधता को रेखांकित करते हुए कहा कि उगादी, गुड़ी पड़वा, नवरेह, चेतीचंद और सजिबु चैराओबा जैसे पर्व पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोते हैं। उन्होंने कामना की कि यह नया वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए। केजरीवाल ने चैत्र नवरात्रि की भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां दुर्गा की कृपा से हर घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। उन्होंने अपने संदेश में आशा जताई कि यह पावन पर्व लोगों के जीवन में नई ऊर्जा, शक्ति और सकारात्मकता का संचार करेगा।

आईजीआईपीईएसएस और श्याम लाल कॉलेज ने दर्ज की बड़ी जीत

नई दिल्ली। पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट के तीसरे दिन पुरुष वर्ग में श्याम लाल कॉलेज और इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान (आईजीआईपीईएसएस) ने बड़ी जीत दर्ज की। महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने विवेकानंद कॉलेज को आसानी से 5-0 से हराया। श्याम लाल कॉलेज ने मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को उन्हीं के मैदान पर 8-0 से करारी मात दी। पहले हाफ में 5 और दूसरे हाफ में तीन गोल करने वाले श्याम लाल कॉलेज के लिए नवीन और पंकज ने दो-दो, प्रत्यूष, भूपेंद्र, यश और नंदकिशोर ने एक-एक गोल किया। विजेता टीम के गोलकीपर मोहम्मद कामिल को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आईजीआईपीईएसएस ने सेंट स्टीफंस कॉलेज को एकतरफा मुकाबले में 7-0 से मात दी। चंदर ने दो और यश, अमनदीप, ध्रुव, शीषनाथ और सोरेन अमन ने एक- एक गोल किया। चंदर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने विवेकानंद कॉलेज को 5-0 से हराया। टीम के लिए मीना ने दो, सोनू, जेहरा व इंदरप्रीत ने एक-एक गोल किया। विवेकानंद कॉलेज की एकता को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से मौसम सुहाना, हवा की गुणवत्ता में सुधार

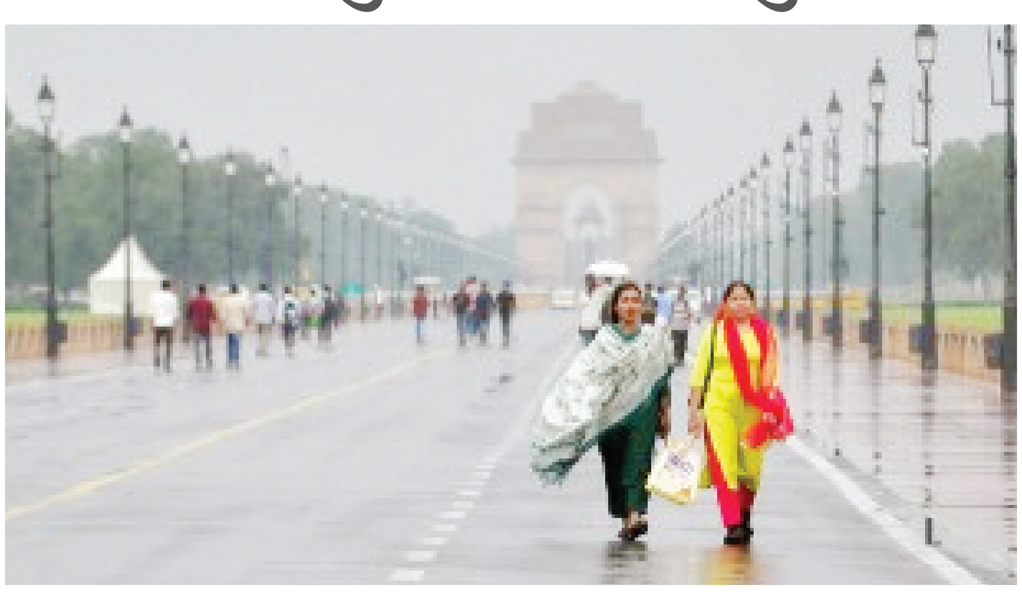

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार शाम हुई बारिश और गुरुवार को हल्की बूंदाबांदी से तापमान में 5 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। पालम और सफदरजंग में तापमान 29 डिग्री से गिरकर 19 डिग्री सेल्सियस हो गया, जबकि लोधी रोड पर 8.5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। अन्य इलाकों में भी तापमान 5 से 10 डिग्री तक घटा। बारिश से मौसम सुहाना हो गया है और वायु गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने आज (19 मार्च) के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी कि दोपहर से लेकर रात के बीच कभी भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है और तेज हवाएं चल सकती हैं। गुरुवार सुबह भी कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। अगले दो दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा और बीच-बीच में बारिश और आंधी का असर देखने को मिलेगा। राजधानी के कई हिस्सों में सुबह से ही बादल छाए रहे और हवा की रफ्तार सामान्य से अधिक रही। मौसम विभाग ने 19 एवं 20 मार्च को गरज-बिजली के साथ हल्की बारिश और तेज हवाओं का अनुमान जारी किया है। बीस मार्च को अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री और न्यूनतम 16 से 18 डिग्री रहने का अनुमान है। 21 मार्च को आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा और अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री तथा न्यूनतम 14 से 16 डिग्री रहने का अनुमान है। आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर में मौसम ठंडा और सुहावना बना रहेगा। बारिश और आंधी के चलते हवा की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक बारिश के बाद आनंद विहार में एक्यूआई 198 से घटकर 145, अशोक विहार में 175 से घटकर 139, बवाना में 183 से घटकर 147, रोहिणी में 196 से घटकर 140 और जेएनयू में 129 से घटकर 112 हो गया। आईजीआई एयरपोर्ट पर एक्यूआई 127 दर्ज किया गया। राजधानी के कई इलाकों में प्रदूषण स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। तालकटोरा गार्डन में भी एक्यूआई 131 से घटकर 119 हो गया।

महापौर ने शकूरपुर में 'आरोग्य मंदिर' का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए गुरुवार को शकूरपुर क्षेत्र में 'आरोग्य मंदिर' का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कॉरपोरेट मामलों और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार और नगर निगम जनहित के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 'आरोग्य मंदिर' जैसी पहलें इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जिससे लोगों को उनके क्षेत्र में ही सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि, दिल्ली नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। आरोग्य मंदिर के निर्माण से स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी और नागरिकों को छोटे-छोटे उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं शहरी स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी कड़ी में आरोग्य मंदिर जैसी पहलें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने सबसे पहले हिंदू नव वर्ष के अवसर पर दिल्ली के लोगों और पूरे देश को बधाई के साथ ही चैत्र नवरात्रि की भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस शुभ दिन पर दिल्ली सरकार के नेतृत्व में एक परियोजना शुरू हो गई है।

उप राज्यपाल ने कालिंदी कुंज घाट का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गुरुवार को कालिंदी कुंज घाट का दौरा किया। उप राज्यपाल ने एक्स पर लिखा, "इस दौरे का मुख्य उद्देश्य नदी के वर्तमान स्वरूप स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन करना था। साथ ही, काम आने वाले और लंबे समय तक टिकने वाले उपायों की पहचान के लिए देश-विदेश के बड़े वैज्ञानिक संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल करने पर चर्चा हुई।

दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के सभी आरोपितों को जवाब देने के लिए मिला समय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश में जांच एजेंसी पर की गई टिप्पणियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल याचिका पर जवाब देने के लिए समय दे दिया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को करने का आदेश दिया।

सुनवाई के दौरान आरोपितों के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की। तब ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने कहा कि इस मामले में जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है। तब कोर्ट ने आरोपितों के वकीलों से पूछा कि हम ये नहीं समझ पा रहे हैं कि आपने जवाब क्यों नहीं दाखिल किया। इस पर कुछ आरोपितों के वकीलों ने कहा कि उन्हें याचिका की प्रति नहीं मिली है। तब कोर्ट ने कहा कि अभी याचिका की प्रति उपलब्ध करायी जाए। कोर्ट ने 10 मार्च को ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि जांच एजेंसी के खिलाफ सामान्य टिप्पणी की गई है। इसके पहले 9 मार्च को कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से सीबीआई पर किए गए प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दिया है। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि वो दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करें। इस आदेश के बाद ईडी ने भी दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर किया था।

सुनवाई के दौरान 9 मार्च को सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि ये दिल्ली के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश को कानूनों के मुताबिक गलत बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की थी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। कोर्ट ने कहा कि हजारों पेजों के चार्जशीट में जो तथ्य पेश किए गए हैं वे गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल 13 सितंबर, 2024 को तब रिहा हुए जब उच्चतम न्यायालयने सीबीआई के मामले में जमानत दी।

ईडी ने 21 मार्च, 2024 को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 10 मई, 2024 को उच्चतमन्यायालयने केजरीवाल को एक जून, 2024 तक की अंतरिम जमानत दी थी जिसके बाद केजरीवाल ने 2 जून, 2024 को सरेंडर किया था। केजरीवाल को 26 जून, 2024 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने 10 मई, 2024 को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल किया था जिसमें बीआरएस नेता के कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपी बनाया गया है। कोर्ट ने 29 मई को छठे पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। उच्चतमन्यायालयने 27 अगस्त को के. कविता को सीबीआई और ईडी के मामले में जमानत दी थी। उच्चतमन्यायालयने 13 सितंबर, 2024 को केजरीवाल को सीबीआई के मामले में नियमित जमानत दी थी। उसके पहले उच्चतमन्यायालयने 12 जुलाई, 2024 को ईडी के मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी।

आग में परिवार के नौ सदस्यों को गंवाने वाले पिता ने कहा : व्यवस्था की वजह से हम हार गये

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम में भीषण आग में नौ लोगों की जान जाने के एक दिन बाद, एक शोकाकुल पिता बृहस्पतिवार को अपने जले हुए घर में वापस लौटा और आरोप लगाया कि व्यवस्था की लापरवाही ने उससे वह सब कुछ छीन लिया जो उसे प्रिय था। राजेंद्र कश्यप इस भीषण आग में अपने परिवार के नौ सदस्यों को खो चुके हैं। वह मौजूदा जांच के हिस्से के तहत पुलिस और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम के साथ राम चौक बाजार के पास स्थित बुरी तरह क्षतिग्रस्त इमारत में दाखिल हुए। घर से बाहर निकलते ही वह गहरे दुख से भाव-विह्वल हो गए और फूट-फूटकर रोने लगे।

उन्होंने अधिकारियों को दोषी ठहराते हुए कहा, "यह व्यवस्था की विफलता है। अगर समय पर कार्रवाई हुई होती, तो मेरा परिवार आज जीवित होता।" पालम मेट्रो स्टेशन के पास भीड़भाड़ वाली एक गली में स्थित चार मंजिला इमारत के तहखाने, भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े और सौंदर्य प्रसाधन का व्यवसाय चलता था, जबकि परिवार ऊपरी मंजिलों पर रहता था। बुधवार तड़के करीब 6.15 बजे चार मंजिला इस इमारत में आग लग गयी थी, जिसमें 70-वर्षीय महिला और तीन छोटी बच्चियों सहित नौ लोगों की मौत हो गई। उन बच्चों में से एक महज तीन साल की थी। भागने की कोशिश में तीन अन्य लोग घायल हो गए।

चश्मदीदों ने पहले बचाव कार्यों में देरी का आरोप लगाया था और दावा किया था कि घटनास्थल पर तैनात पहली हाइड्रोलिक क्रेन खराब हो गई थी और दूसरी क्रेन को पहुंचने में लगभग एक घंटा लग गया, जिससे महत्वपूर्ण समय बर्बाद हो गया। बृहस्पतिवार को पड़ोसी शोकसभा के लिए इमारत के बाहर एकत्र हुए तथा आग लगने के कारण और आपातकालीन सेवाओं की प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठे। कुछ लोगों ने शॉर्ट सर्किट का संदेह व्यक्त किया और उन्होंने भूतल पर सीढ़ियों के पास स्थित एक विद्युत बोर्ड को आग लगने का संभावित कारण बताया।

हालांकि आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। एक पड़ोसी ने शोक संतप्त पिता के बगल में खड़े होकर कहा, "सहयोग बहुत देर से आया। अगर मदद समय पर पहुंच जाती, तो हालात अलग हो सकते थे।" एक अन्य स्थानीय निवासी ने आरोप लगाया कि त्वरित कार्रवाई से कम से कम चार से पांच जानें बचाई जा सकती थीं। उन्होंने दावा किया, "पहली दमकल गाड़ी का हाइड्रोलिक सिस्टम काम नहीं कर पाया। यह देरी घातक साबित हुई।" इमारत अब काली पड़ चुकी है और अंदर से खोखली हो चुकी है, उसका आंतरिक भाग पूरी तरह से नष्ट हो चुका है, और पड़ोस के लोग इस त्रासदी की भयावहता को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

संपादकीय

अमेरिका पर बढ़ रहा दबाव

ईरान अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध खाड़ी में देशों का सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। सीधे तौर पर खाड़ी देश युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन अमेरिकी सैन्य बेस पर हमले के चक्कर में तमाम देश ईरान के निशाने पर आ गए। व्यापार से लेकर सुरक्षा तक के लिए खतरा पैदा होने के बाद वे अब अपनी सुरक्षा के लिए अलग गठबंधन बनाने की राह पर हैं। जिसके तहत सऊदी अरब ने इस्लामिक मुल्कों की आपात बैठक बुलाई गई। इस बैठक का मकसद क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को समर्थन देने के तरीकों पर विचार-विमर्श और समन्वय करना था। निसंदेह ईरान अमेरिका युद्ध की वजह से खाड़ी देशों में सुरक्षा संकट पैदा हो गया है। अमेरिका और इजरायल के ईरान के ऊपर बरस रहे बम और मिसाइलों का जवाब ईरान अपना बदला मिडिल ईस्ट में यूएस बेस और उसके हितों को निशाना बना कर ले रहा है। इसमें सबसे ज्यादा मार यूएई और सऊदी को झेलनी पड़ रही है। इसके समाधान के लिए सऊदी अरब की पहल पर रियाद में इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक को ईरान ने 'ब्लैकमेल' करार दिया। बैठक शुरू होने से ठीक पहले ईरान ने रियाद की तरफ चार बैलिस्टिक मिसाइलें दाग दीं। जिन्हें भले ही पूरी तरह नष्ट कर दिया गया लेकिन ईरान के इस हमले ने साफ कर दिया कि यह हमला बैठक के साथ टाइमिंग करके किया गया ताकि यहां मौजूद देशों को यह संदेश देने के लिए किया गया कि फिलहाल ईरान न तो रुकेगा और न झुकेगा। ईरान के हमले के विरोध में सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने कहा कि सऊदी अरब अब ईरान की किसी भी धमकी या दबाव को बर्दाश्त नहीं करेगा और पड़ोसी देशों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने को तैयार है। बैठक से इस बात का संकेत मिलता है कि ईरान के मिसाइल हमलों और बढ़ते तनाव के बीच, सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों ने अमेरिका से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने और ईरान की ताकत खत्म करने के लिए सैन्य व कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग कर रहे है। प्रमुख अरब देशों ने क्षेत्र में स्थिरता और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए अमेरिका से त्वरित हस्तक्षेप का आग्रह भी किया है। अरब देशों ने ईरान द्वारा ऑयल रिफाइनरी पर किए जा रहे हमलों को रोकने के लिए अमेरिका से ईरान की क्षमता को बेअसर करने की दुहाई दे रहे हैं। इसके अलावा खाड़ी देशों ने क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए अमेरिका से अपनी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने और ईरान के खिलाफ कड़े कदम उठाने पर जोर दिया है। यह भी कहा गया कि जीसीसी देश लंबे समय से अमेरिका पर चली आ रही सुरक्षा निर्भरता की फिर से समीक्षा की जाएगी।

सोचनीय: अब क्यों नहीं आतीं घरों में गौरैया

विलुप्ति की ओर पहुंचने वाली गौरैया के संरक्षण के उद्देश्य से हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने की शुरुआत 2010 में नेचर फॉरएवर सोसायटी संस्था यानी एनएफएस ने की। कृत्रिम घोंसलों छतों पर दाना-पानी रखने की शुरुआत को प्रोत्साहन दिया ताकि गौरैया वापस छतों पर आने लगें। लेकिन यह सच्चाई है कि 60 से 80 प्रतिशत आबादी घट ही गई। ऐसे में इस दिन को मनाकर गौरैया की चहचहाट को वापस लाने की पुरजोर कोशिश की सार्थक पहल की जा रही है। नेचर यानी एनएफएस (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउण्डेशन (फ्रांस) के सहयोग से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाने लगा। इसकी शुरुआत नासिक के रहने वाले मोहम्मद दिलावर ने की। तभी से हर साल नए थीम के साथ इसे मनाने की परिपाटी शुरू हुई। मो. दिलावर के इस काम की हर कहीं प्रशंसा हुई। टाइम मैगजीन ने 2008 में ही इन्हें हीरोज ऑफ इन्वायरमेण्ट के तौर पर लिखा। 20 मार्च 2011 को पर्यावरण और गौरैया संरक्षण के कार्य में मदद करने वालों को सम्मानित करने के लिए एनएफएस द्वारा गुजरात के अहमदाबाद में गौरैया पुरुस्कार की शुरुआत भी हुई।

ऋतुपर्ण दवे

भला किसने गौरैया को अपने आंगन, घर, खिड़की पर चहचहाते नहीं देखा होगा? अभी इसका जवाब हाँ है, लेकिन जिस तरह के हालात बन रहे हैं उसमें आने वाली पीढ़ी के लिए इसका जवाब न भी हो सकता है। साथ ही हममें से लगभग पुराने दौर के सभी लोगों ने 1974 में निर्मित एक प्रसिद्ध एनिमेटेड लघु फिल्म जो एक अनेक और एकता का हिस्सा है, जिसे विजया मुले और भीमसेन खुराना ने निर्देशित किया था देखी होगी। यह दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाली एकता का संदेश देने वाली एक लोकप्रिय क्लासिक फिल्म रही। बाद में कई वर्षों तक लोगों ने यह गीत भी सुना "एक चिड़िया, अनेक चिड़िया, दाना चुगने आईं चिड़िया" जिसे पंडित विनय चंद्र मौद्गल्य द्वारा लिखा गया। समझें कि गौरैया हमारे लिए कितनी खास थी और आज भी। लेकिन, आज उसके जीवन पर ही संकट आन पड़ा है।

याद कीजिए आज से 15-20 साल पहले हर घर की खिड़की के कांच पर चोंच मारती या दीवारों की दरारों के बीच शोर मचाती और कुछ नहीं तो रोशनदान में तिनके-तिनके जोड़कर घोंसले बनाती गौरैया जिसे आमभाषा में हम चिड़िया कहते हैं घासफूंस इकट्ठा कर घोसले बनाती दिख जाती थी। कुछ ही हफ्तों में उन घोसलों से मधुर सी चीं-चीं की आवाज कर अबोध बच्चे झांकते थे जैसे ही चिड़िया आती और अपने चोंच में इकट्ठा दाना बांट-बांट कर उन्हें खिलाती, कितना आनन्द की सुखद अनुभूति होती थी! आज यह सब लगभग न के बराबर हैं। गांव, शहर और घरों से गौरैया नदारत सी है। थोड़ी बहुत कहीं दिख जाती है तो दूर जंगलों में या सफर के दौरान बियावानो में। आखिर गौरैया ने हमसे क्यों मुंह मोड़ा? कभी जानने, समझने की हमने ईमानदार कोशिश की? शायद नहीं। शुरू में तो इस पर ध्यान ही नहीं दिया कि इन्हें भी हिफाजत,

स्वस्थ्य अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र की जरूरत है। इन्हें भी रोजमर्रा की बदलती जैव विविधता प्रभावित करती है। इनके भी स्वास्थय की देखभाल और परेशानियों को समझने की जरूरत है। थोड़ा पहले जाना होगा जब भारत में नया-नया मोबाइल दस्तक दे रहा था। जैसे ही गाँव-गाँव, मोहल्ले-मोहल्ले टॉवर लगने लगे तो एक सच एकाएक सामने आने लगा कि टॉवरों के आसपास गौरैया सुबह-सुबह क्यों मरी मिलती हैं? शुरू में तो लोगों को कुछ समझ नहीं आया। लेकिन बाद में पता चला कि मोबाइल से निकलने वाला रेडिएशन इनके स्वास्थ्य और मस्तिष्क की तरंगों को बुरी तरह प्रभावित करता है जिससे मौत हो जाती है। आखिर नन्हीं सी जान जिसका कुल वजन 15 ग्राम से 32-35 ग्राम ही होता है कैसे इन तरंगों को झेल पाएंगी? बस धीरे-धीरे गौरैया घटने लगीं और और हम बेफिक्र रहे।

विलुप्ति की ओर पहुंचने वाली गौरैया के संरक्षण के उद्देश्य से हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने की शुरुआत 2010 में नेचर फॉरएवर सोसायटी संस्था यानी एनएफएस ने की। कृत्रिम घोंसलों छतों पर दाना-पानी रखने की शुरुआत को प्रोत्साहन दिया ताकि गौरैया वापस छतों पर आने लगें। लेकिन यह सच्चाई है कि 60 से 80 प्रतिशत आबादी घट ही गई। ऐसे में इस दिन को मनाकर गौरैया की चहचहाट को वापस लाने की पुरजोर कोशिश की सार्थक पहल की जा रही है। नेचर यानी एनएफएस (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउण्डेशन (फ्रांस) के सहयोग से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाने लगा। इसकी शुरुआत नासिक के रहने वाले मोहम्मद दिलावर ने की। तभी से हर साल नए थीम के साथ इसे मनाने की परिपाटी शुरू हुई। मो. दिलावर के इस काम की हर कहीं प्रशंसा हुई। टाइम मैगजीन ने 2008 में ही इन्हें हीरोज ऑफ इन्वायरमेण्ट के तौर पर लिखा। 20 मार्च 2011 को पर्यावरण और गौरैया संरक्षण के कार्य में मदद करने वालों को सम्मानित करने के लिए एनएफएस द्वारा गुजरात के अहमदाबाद में गौरैया पुरुस्कार की शुरुआत भी हुई। उद्देश्य ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना था जो गौरैया और पर्यावरण में अपना सहयोग दे रहे हैं। यकीनन गौरैया धरती पर एक वो छोटी सी जान है जो सब जगह पाई जाती है। इनकी संख्या में कमीं आना बताता है कि हमने पर्यावरण को किस तरह से बिगाड़ा जिससे असर इस छोटे से प्राणी तक पर आन पड़ा। वास्तव में रेडिएशन और प्रदूषण को लेकर चिंता के बजाए हम तकनीक अपग्रेड पर केन्द्रित हो गए। कभी झुंड में भोजन की तलाश में उडने वाली ये छोटा सा पंछी अब बहुत कम दिखता है। पेट भरने के लिए छोटे-छोटे दाने और कीड़े-मकोड़े पर निर्भर चिड़िया अपने जीवनकाल में अधिकमत 3 बार अण्डे देकर बड़ी हिफाजत देखरेख करती है। इनको बचाने और संरक्षण के लिए छतों पर इनकी पसंद के दाने जैसे काकून, बाजरा, मक्का, गेहूं, चावल और पानी रखना चाहिए। कृत्रिम घोंसले टांगकर आकर्षित करना चाहिए। बड़ी संख्या में पेड़-पौधे लगें तो भी आएंगी। हरे-भरे पेड़-पौधों में रेडिएशन कहते हैं कम होता है। फिल्म रोबोट 2.0 हमारी आँखें खोलती है। इनकी संख्या घटने के अन्यान्य कारणों में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, पुराने घरों का टूटना, हरे-भरे क्षेत्रों में कंक्रीट के जंगल, सड़कों और कांच के टावरों से गौरैया के घोंसले बनाने और भोजन प्राप्त करने के अवसर कम होते जा रहे हैं। इसके अलावा भोजन स्त्रोतों में कमीं सीसा रहित पेट्रोल से निकले जहरीले यौगिक उन कीटों की संख्या घटा रहे हैं जो गौरैया का भोजन हुआ करता था। आधुनिक खेती में रासायनिक कीटनाशकों के कारण कीड़ों की आबादी घट गई। अनेकों शोध ने साबित किया कि मोबाइल टावर और विकिरण, वाई-फाई और टावरों से निकलने वाले रेडिएशन गौरैया के प्रजनन, स्वास्थ्य प्रभावित करती है। विद्युत चुंबकीय तरंगें भी नेविगेशन और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित करती है। इससे भी इनकी आबादी घटी है।

एक बात और समझ आई कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और असंतुलित तापमान भी इनके जीवन को कठिन कर रही है। वायु प्रदूषण से सांस में बाधा तो कानफोड़ू ध्वनि प्रदूषण से साथी खोजने में जटिलता होती है। भारत में गौरैया महज पक्षी नहीं वो हमारे साझा इतिहास और संस्कृति का प्रतीक भी हैं। हिंदी में गोरैया , तमिल में कुरुवी और उर्दू में चिर्या जैसे विभिन्न नामों से जाने जानी वाली गौरैया पीढ़ियों से दैनिक जीवन का हिस्सा रही। गांवों में अपने मधुर गीतों से वातावरण को ऊर्जा और खुशी भरने वाले कई पलों को इनकी चहचहाट ने यादगार बनाया है। इन चुनौतियों के बीच, गौरैयों के संरक्षण और उन्हें बढ़ाना, बचाना हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिए। कम से कम एक कृत्रिम घोसला, दाना-पानी का तो इंतजाम कर ही सकते हैं। इसमें सभी को तन्मयता से जुटना पड़ेगा वरना एक थी चिड़िया, अनेक थी चिड़िया, विकास के हत्थे चढ़ गई चिड़िया कहना पड़ेगा।

प्रसन्नता का वैश्विक संकल्प और भारतीय संदर्भ

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है-धन, वैभव, पद या प्रतिष्ठा। इन सबके पार जाकर यदि कोई तत्व जीवन को वास्तविक अर्थ देता है तो वह है खुशी। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2012 में 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में घोषित किया और 2013 से यह दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाने लगा। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है, बल्कि एक वैश्विक चेतना का विस्तार है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि खुशी प्रत्येक मनुष्य का मौलिक अधिकार है और उसके बिना विकास अधूरा है। इस वर्ष की थीम 'एक साथ खुश रहें है', जो हमें यह संदेश देती है कि खुशी का वास्तविक अर्थ केवल व्यक्तिगत संतोष नहीं, बल्कि सामूहिक आनंद और सामाजिक जुड़ाव में निहित है। पिछले वर्षों में "साथ मिलकर खुश रहना" और "खुशी बाँटना" शामिल थे, जो लोगों को दयालुता और मित्रता के माध्यम से खुशियां फैलाने के लिए प्रोत्साहित करते थे। 2026 का विषय है "देखभाल और साझा करना" जो इस बात पर ज़ोर देता है कि स्थायी खुशी एक-दूसरे की देखभाल करने, जुड़ाव महसूस करने और एक समुदाय का हिस्सा होने से मिलती है।

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 के अनुसार भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह आंकड़ा पहली दृष्टि में चिंताजनक लगता है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकताओं को समझना भी आवश्यक है। भारत जैसा विशाल, बहुविधताओं से भरा और अनेक चुनौतियों से जूझता देश, जिसकी जनसंख्या विश्व में शीर्ष पर है, उसकी तुलना छोटे और कम जटिल देशों से करना कितना उचित है, यह विचारणीय है। जिन देशों को शीर्ष पर रखा गया है, वहां आबादी कम है, सामाजिक संघर्ष सीमित हैं और प्रशासनिक समस्याएं अपेक्षाकृत सरल हैं। इसके विपरीत भारत में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, असमानता और क्षेत्रीय विषमताओं जैसी जटिल समस्याएं हैं, जिनसे निपटना एक बड़ा दायित्व है। फिर भी भारत ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना, डिजिटल क्रांति के माध्यम से आम नागरिक का सशक्त होना, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका, ये सभी उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की सराहना कर रही हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या केवल आय, सामाजिक सुरक्षा और जीवन प्रत्याशा जैसे संकेतकों के आधार पर ही खुशी को मापा जाना उचित है? क्या सांस्कृतिक मूल्यों, पारिवारिक संबंधों, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को नजरअंदाज कर देना न्यायसंगत है?

भारतीय संस्कृति में खुशी का अर्थ बाहरी संसाधनों से अधिक आंतरिक संतोष से जुड़ा है। यहां 'संतोष परम सुखम्' का सिद्धांत जीवन का आधार रहा है। भारतीय दर्शन यह सिखाता है कि इच्छाओं की असीमित पूर्ति नहीं, बल्कि इच्छाओं का संयम और आत्मनियंत्रण ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग है। आज की उपभोक्तावादी संस्कृति में हमने खुशी को वस्तुओं और सुविधाओं से जोड़ दिया है। नई वस्तु मिलने पर क्षणिक प्रसन्नता अवश्य मिलती है, लेकिन वह जल्दी ही समाप्त हो जाती है और उसके स्थान पर नई इच्छाएं जन्म ले लेती हैं। इस प्रकार व्यक्ति एक अंतहीन दौड़ में उलझ जाता है, जहां संतोष का कोई ठहराव नहीं होता। खुशी का वास्तविक पैमाना यह नहीं है कि हमारे पास कितना है, बल्कि यह है कि हम जो कुछ है, उसमें कितना संतुष्ट और कृतज्ञ हैं। एक प्रसन्न समाज का निर्माण तभी संभव है जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आशावान महसूस करें। आर्थिक अवसरों की समानताएं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलताएं सामाजिक संबंधों की मजबूती और नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा-ये सभी तत्व मिलकर खुशहाली का आधार बनाते हैं। यदि आम नागरिक को अपने प्रयासों का उचित प्रतिफल मिले और उसे जीवन में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो, तो उसकी प्रसन्नता स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी।

आज के समय में बढ़ती नकारात्मकता, तनाव और अकेलापन खुशी के मार्ग में सबसे बड़ी बाधाएं बनकर उभरे हैं। कई लोग भौतिक रूप से समृद्ध होते हुए भी मानसिक रूप से थके हुए, निराश और ऊर्जा विहीन महसूस करते हैं। वे पर्याप्त विश्राम के बावजूद थकान का अनुभव करते हैं, कार्य के प्रति उत्साह खो देते हैं और जीवन में उद्देश्यहीनता महसूस करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है कि विकास के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इस वर्ष की थीम 'एक साथ खुश रहें' हमें यह सिखाती है कि खुशी का सबसे बड़ा स्त्रोत हमारे संबंध हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय, मित्रों के साथ साझा की गई हंसी, समाज के लिए किया गया सेवा कार्य और किसी जरूरतमंद की सहायता-ये सभी अनुभव हमें भीतर से समृद्ध करते हैं। जब हम दूसरों की खुशी का कारण बनते हैं, तो हमारी अपनी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका अस्तित्व संबंधों के बिना अधूरा है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने संबंधों को मजबूत करें, संवाद बढ़ाएं और सामूहिकता की भावना को पुनर्जीवित करें। खुशहाल राष्ट्र के निर्माण में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। गरीबी, भूख, कुपोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और उद्यमिता जैसी चुनौतियों का समाधान किए बिना व्यापक खुशहाली संभव नहीं है। सरकार को नीतियों और योजनाओं के माध्यम से आम नागरिक के जीवन स्तर को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। साथ ही प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी आवश्यक है ताकि नागरिकों का विश्वास मजबूत हो सके। जब शासन निस्वार्थ भाव से कार्य करता है तभी समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके साथ ही समाज और नागरिकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि हम भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अपराध के खिलाफ जागरूकता नहीं फैलाएंगे तो खुशहाली का सपना अधूरा ही रहेगा। बुराइयों से मुक्ति तभी संभव है जब उनके दुष्परिणामों का सही ज्ञान हो और अच्छाइयों को अपनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जाए। नैतिकता, ईमानदारी और सेवा भाव को जीवन में स्थान देना ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग प्रशस्त करता है। हर व्यक्ति की खुशी की परिभाषा अलग होती है, लेकिन कुछ सार्वभौमिक सिद्धांत ऐसे हैं जो सभी के जीवन में प्रसन्नता ला सकते हैं। कृतज्ञता का भाव विकसित करना, सकारात्मक सोच अपनाना, अपने संबंधों को समय देना, स्वास्थ्य का ध्यान रखना, दूसरों की सहायता करना और जीवन के छोटे-छोटे क्षणों का आनंद लेना-ये सभी सरल उपाय हैं लेकिन इनका प्रभाव अत्यंत गहरा होता है।

जीव का प्रवाह परमात्मा की ओर

नदी का प्रवाह निरंतर समुद्र की ओर ही होता है ठीक इसी प्रकार से परमात्मा के अंश जीव का प्रवाह भी अपने परम पिता परमात्मा की ओर ही निरंतर होता है। नदी अपने मार्ग की कठिनाइयों को सहन करते हुए, ऊंचे-नीचे पथरीले मार्गों के कष्ट को सहती हुई, अपने मार्गों को बदलती हुई कभी भी अपना प्रवाह बंद नहीं करती समुद्र में विलीन हो जाने के पश्चात ही उसको विश्राम मिलता है। ठीक उसी प्रकार से जीव चाहे जितना भी माया के जगत में भटक ले उसकी आनंद की खोज कभी बंद नहीं होती। भौतिक जगत में उसका भटकाव आनंद की खोज हेतु ही है। वह किसी भी प्रकार से आनंद प्राप्त करके विश्राम पाना चाहता है। अज्ञान के कारण जीवन आनंद की खोज भौतिक जगत में कर रहा है। उसने कभी माना ही नहीं कि सुख तो आनंद कंद भगवान में ही है। आनंद माया के जगत में नहीं है। यदि वह यह बात हृदय से स्वीकार कर ले कि आनंद केवल भगवान के दिव्य जगत में ही है तो श्रद्धापूर्वक अपनी साधना में जुट जाये और दिव्य चिन्मय आनंद को प्राप्त करके विश्रामावस्था को पास के जीव का नित्य प्रवाह तो आनंद की ओर ही है लेकिन उचित मार्ग प्राप्त न होने के कारण अभी तक आनंद की प्राप्ति नहीं हुई। मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी त्रुटि यही है। जिसके परिणामस्वरूप वह भिन्न-भिन्न प्रकार के कष्टों को भोग रहा है। संसार में आकर वह माया संबंधी कार्यों को करता है। सांसारिक विषयों को भोगता है। रोगी, भोगी का जीवन बिताकर संसार से विदा हो जाता है। अपने कर्मों का भोग करने के लिये पुनः इस जगत में जन्म लेता है। आवागमन के चक्कर से मुक्त नहीं हो पा रहा। माया के जगत में आनंद खोजने के कारण ही बंधन का कारण बना हुआ है। सांसारिक जड़ वस्तुओं ने मनुष्य को पकड़ा हुआ है, यह पकड़ इतनी गहरी हो चुकी है कि सुगमता से छूटती ही नहीं। केवल जड़ वस्तुओं की ही पकड़ नहीं चेतन शरीर वाले शारीरिक संबंधी भी उसको भ्रमित कर रहे हैं। संबंधियों को ही वह अपना सगा संबंधी मानने के कारण ही भगवान के सामने पीठ करके बैठा है। हर जन्म में मनुष्य ने भौतिक पदार्थों, अपने संबंधियों में ही सुख का चिंतन किया है। इसलिए उनके मोह में फंस गया है। मोह में आबद्ध मनुष्य उसके पाने की इच्छा भी होती है। जब इच्छापूर्ति होती है तो लोभ बढ़ता है।

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1602 - यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी ऑफ नीदरलैंड की स्थापना।
1800 - अलेसांद्रों वोल्टा ने इलेक्ट्रिक बैटरी की खोज के बारे में सूचना दी।
1916 - अल्बर्ट आइंसटीन के सापेक्षता के सिद्धांत का प्रकाशन।
1956 - ट्यूनीशिया को फ्रांस से स्वतंत्रता मिली।
1990 - अर्धरात्रि में नामीबिया की स्वतंत्रता की घोषणा।
1991 - बेगम ख़ालिदा जिया बांग्लादेश की राष्ट्रपति निर्वाचित।
1999 - प्रख्यात ब्रिटिश अमूर्त चित्रकार पैट्रिक हेरोन का निधन।
2002 - नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे, जिम्बाब्वे राष्ट्रमंडल से निलम्बित।
2003 - इराक पर अमेरिकी हमला शुरू।
2006 - अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री ने दावा किया कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में है।
2009 - न्यायमूर्ति चन्द्रमौली कुमार प्रसाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मूख्य न्यायधीश नियुक्त हुए।
2016 - अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा क्यूबा पहुंचे।

जन्म

1615 - दारा शिकोह - मुगल बादशाह शाहजहां और मुमताज महल का सबसे बड़ा पुत्र था।
1782 - कर्नल टॉड - अंग्रेज अधिकारी एवं इतिहासकार, जिसे राजस्थान के इतिहास का मार्ग सर्वप्रथम प्रशस्त करने का श्रेय दिया जाता है।
1952 - टेनिस खिलाड़ी आनंद अमृतराज का जन्म।
1966 - अलका याग्निक - ख्यातिप्राप्त भारतीय पार्श्वगायिका हैं।
1973 - अर्जुन अटवाल - भारतीय पहले गोल्फ खिलाड़ी।
1982 - निशा मिलेट - भारतीय की जानी-मानी तैराक हैं।
1987 - कंगना राणावत, भारतीय अभिनेत्री।

निधन

1351 - मोहम्मद तुगलक शाह द्वितीय का सूरत में निधन।
1727 - आइजैक न्यूटन - महान गणितज्ञ, भौतिक वैज्ञानिक, ज्योतिर्विद एवं दार्शनिक थे।
1943 - एस. सत्यमूर्ति - भारत के क्रांतिकारी नेता
1972 - प्रेमनाथ डोगरा - जम्मू-कश्मीर के एक नेता थे।

अपने ही क्यों बन जाते हैं दर्द की वजह?

- डॉ. प्रियंका सौरभ

समकालीन समाज में रिश्तों की जटिलता पहले की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ गई है। तकनीकी प्रगति, सामाजिक बदलाव और व्यक्तिगत आकांक्षाओं के विस्तार ने जहाँ जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं मानवीय संबंधों को कहीं न कहीं उलझा भी दिया है। आज अक्सर यह देखने को मिलता है कि व्यक्ति को सबसे अधिक पीड़ा, उपेक्षा या मानसिक तनाव अपने ही लोगों से मिलता है—वे लोग जिनसे उसे सबसे अधिक समझ, स्नेह और सहारा मिलने की अपेक्षा होती है। यह एक गहरा सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रश्न है कि आखिर ऐसा क्यों होता है?

इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए हमें सबसे पहले रिश्तों की प्रकृति को समझना होगा। "अपने" और "पराए" का अंतर केवल रक्त संबंधों या सामाजिक जुड़ाव से नहीं, बल्कि भावनात्मक निवेश से तय होता है। जिन लोगों में हम अधिक भावनात्मक रूप से निवेश करते हैं, उनसे हमारी अपेक्षाएँ भी उसी अनुपात में बढ़ जाती हैं। यही अपेक्षाएँ, जब पूरी नहीं होतीं, तो दुख का कारण बनती हैं। मानव स्वभावतः एक सामाजिक प्राणी है। वह अपने आसपास के लोगों से जुड़ाव चाहता है और उस जुड़ाव के बदले में समझ, सम्मान और सहयोग की अपेक्षा करता है। परिवार, मित्र और करीबी रिश्तेदार इस अपेक्षा के केंद्र में होते हैं। हम मान लेते हैं कि ये लोग बिना कहे हमें समझेंगे, हमारे भावों को

पहचानेंगे और हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़े रहेंगे। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर व्यक्ति अपनी सीमाओं, परिस्थितियों और सोच के दायरे में बंधा होता है। जब हमारी अपेक्षाएँ उनकी क्षमता या इच्छा से अधिक हो जाती हैं, तो टकराव उत्पन्न होता है।

यहीं से पीड़ा की शुरुआत होती है—क्योंकि हमें लगता है कि "अपने" हमें समझ नहीं पाए, जबकि "पराए" से हमने ऐसी कोई उम्मीद ही नहीं रखी थी। इस प्रकार, अपेक्षाएँ जितनी अधिक होंगी, टूटने पर उतना ही अधिक दर्द होगा।

आधुनिक समाज में सफलता को अक्सर भौतिक उपलब्धियों से आँका जाता है—अच्छी नौकरी, उच्च आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और बाहरी चमक-दमक। ऐसे में, परिवार और करीबी रिश्तों के भीतर भी एक अनकही प्रतिस्पर्धा जन्म लेने लगती है। लोग एक-दूसरे की उपलब्धियों से अपनी तुलना करने लगते हैं। यह तुलना धीरे-धीरे ईर्ष्या का रूप ले लेती है, जो संबंधों को भीतर से खोखला कर देती है। जब अपने ही व्यक्ति की सफलता हमें प्रेरित करने के बजाय असहज करने लगे, तो यह रिश्तों में दरार का संकेत है। ईर्ष्या एक ऐसा भाव है, जो अक्सर स्वीकार नहीं किया जाता, लेकिन व्यवहार में प्रकट हो जाता है—तानों, आलोचनाओं या दूरी के रूप में। इसके अतिरिक्त, संवाद की कमी भी रिश्तों में कड़वाहट का एक बड़ा कारण बनती जा रही है। पहले परिवारों में खुलकर बातचीत करने की परंपरा थी, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, अहंकार और डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता ने प्रत्यक्ष संवाद को कमजोर कर दिया है। लोग एक ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। मन की बातें व्यक्त नहीं हो पातीं और छोटी-छोटी गलतफहमियाँ बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं।

इसके विपरीत, ग़ैरों के साथ हमारे संबंध अपेक्षाकृत सरल होते हैं। उनसे हम अधिक अपेक्षा नहीं रखते, इसलिए उनकी छोटी-सी सहायता या संवेदनशीलता भी हमें बड़ी लगती है। यहाँ संबंधों में न तो अधिकार का दबाव होता है और न ही भावनात्मक बोझ, इसलिए वे अधिक सहज और हल्के प्रतीत होते हैं।

एक और महत्वपूर्ण पहलू है अधिकार की भावना। अपने लोगों पर हम अनजाने में अधिकार जताने लगते हैं—उनके समय, उनके निर्णय और उनकी प्राथमिकताओं पर। जब यह अधिकार सीमाओं को पार कर जाता है, तो संबंधों में तनाव उत्पन्न होता है। व्यक्ति को अपनी स्वतंत्रता में हस्तक्षेप महसूस होता है, जिससे दूरी बढ़ने लगती है।

यह भी समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति अपने जीवन में संघर्ष कर रहा है। उसकी अपनी समस्याएँ, दबाव और सीमाएँ होती हैं। जब हम केवल अपनी अपेक्षाओं के आधार पर दूसरों का मूल्यांकन करते हैं, तो हम उनकी परिस्थितियों को नजरअंदाज कर देते हैं। यही दृष्टिकोण रिश्तों में असंतुलन पैदा करता है। समाधान की दिशा में सबसे पहला कदम है—अपेक्षाओं का संतुलन। हमें यह स्वीकार करना होगा कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता और हर कोई हर समय हमारी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सकता। इसके साथ ही, संवाद को मजबूत करना आवश्यक है। खुलकर, ईमानदारी से और संवेदनशीलता के साथ बातचीत करने से कई समस्याएँ स्वतः हल हो सकती हैं।

हमें अपने भीतर सहनशीलता और स्वीकार्यता का विकास भी करना होगा। जब हम दूसरों को उनकी सीमाओं सहित स्वीकार करते हैं, तब रिश्ते अधिक सहज और स्थायी बनते हैं। इसके अलावा, तुलना और ईर्ष्या से बचना भी अत्यंत आवश्यक है। हर व्यक्ति की अपनी यात्रा और अपनी गति होती है—इस सत्य को स्वीकार करने से मन में शांति आती है। अंततः, रिश्ते किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। यदि वही रिश्ते पीड़ा का कारण बन जाएँ, तो जीवन का संतुलन बिगड़ जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम रिश्तों को बोझ नहीं, बल्कि समझ और सहयोग के माध्यम के रूप में देखें। निष्कर्षतः, अपने और पराए का अंतर केवल संबंधों का नहीं, बल्कि अपेक्षाओं और दृष्टिकोण का होता है। जब हम इस अंतर को समझ लेते हैं, तो रिश्तों में आने वाली कड़वाहट को कम किया जा सकता है। अपने यदि कभी दर्द का कारण बनते हैं, तो वही सबसे बड़ा सहारा भी बन सकते हैं—बस आवश्यकता है संतुलित सोच, बेहतर संवाद और सच्ची संवेदनशीलता की।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

‘संघ की अच्छाई को विरोधी और कम्युनिस्ट भी स्वीकार करते हैं’ : डॉ. मोहन भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में कहा कि अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं।

सरसंघचालक डॉ. भागवत महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉ. विलास डांगरे की मौजूदगी में स्थानीय सुरेश भट्ट सभागार में आयोजित एक साक्षात्कार कार्यक्रम में बोल रहे थे। सरसंघचालक ने कहा कि परस्पर प्रेम और आत्मीयता के कारण ही संघ और उसका कार्य बढ़ा है। जब तक दो व्यक्ति एक-दूसरे से मिलते रहेंगे, तब तक संघ समाप्त नहीं होगा। अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अनुकूलता एक बड़ी चुनौती होती है और पतन की शुरुआत भी अनुकूलता से ही होती है। अभी तक संघ का स्वयंसेवक प्रसिद्धि के अनुरूप नहीं बना है और ऐसा न हो, इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। अनुकूल परिस्थितियों में कार्य कैसे किया जाए, यह विषय बौद्धिक वर्ग में चर्चा का विषय होता है। स्वयंसेवकों को अनुकूलता का दुष्प्रभाव न हो, इस पर विचार और प्रयास निरंतर जारी हैं। संघ प्रमुख ने बताया कि पिछले 100 वर्षों में संघ का कार्य व्यापक हुआ है, इसलिए संरचना का विकेंद्रीकरण आवश्यक हो गया।

कार्य के दौरान कई बार शासन-प्रशासन से संपर्क होता है, इसलिए अलग व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई। इसी विचार से प्रांत के स्थान पर अब ‘विभाग’ की संरचना बनाई गई है। लोगों से मित्रता स्थापित करना और अपने उदाहरण से परिवर्तन लाना ही संघ की कार्यपद्धति है। समय के अनुसार स्वरूप बदलता है, परंतु कार्यपद्धति वही रहती है। सरसंघचालक ने कहा कि संघ के प्रारंभिक काल में परिस्थितियां और चुनौतियां भिन्न थीं। विभाजन के समय हिंदुओं के विरुद्ध दंगे होते थे, इसलिए उस समय संघ का कार्य उनके संरक्षण पर केंद्रित था। अब समय और चुनौतियां बदल गई हैं, इसलिए कार्य भी परिवर्तित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई विरोधी और कम्युनिस्ट स्वयं को संघ का विरोधी बताते हैं, लेकिन साथ ही संघ को अच्छा भी कहते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार उनके वक्तव्यों का गलत अर्थ निकाला जाता है, लेकिन इससे उन्हें कोई विशेष फर्क नहीं पड़ता।

बल्कि उन्हें दया और हंसी आती है। अब संघ के विरोध में कहने के लिए लोगों के पास अधिक कुछ नहीं है, इसलिए वे कुछ भी कह देते हैं। ऐसी घटनाओं से सीख भी मिलती है कि लोग किसी कथन का क्या अर्थ निकाल सकते हैं। संघ के कार्य के प्रति ‘जेन-ज़ी’ अनुकूल कहे जाने वाली पीढ़ी में देश को महान बनाने और परंपराओं को आगे बढ़ाने की भावना दिखाई देती है। उन्हें ईमानदारी और सेवा आकर्षित करती है, जिससे उनका जुड़ाव संघ के विचारों से हो रहा है। वे संघ के कार्य के प्रति अनुकूल हैं। यद्यपि परिस्थितियों के कारण वे प्रत्यक्ष शाखाओं में आने में कुछ कठिनाइयों का सामना करते हैं, फिर भी वे संघ से जुड़ना चाहते हैं। इसके लिए संघ द्वारा उपयुक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं। हाईराइज इमारतों और सोसायटियों में युवाओं से संपर्क बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

देश में गैस की सप्लाई सामान्य: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते एलपीजी की स्थिति चिंताजनक होने के बावजूद देश में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई सामान्य है। सरकार ने दावा किया है कि कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त है। रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और पेट्रोल पंपों पर कोई कमी नहीं है।

फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में सभी भारतीय जहाज सुरक्षित हैं और व्यापार प्रभावित नहीं हुआ है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से बातचीत कर क्षेत्रीय शांति और भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर चर्चा की है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने गुरुवार को रोजाना अंतर्मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते एलपीजी की स्थिति चिंताजनक है लेकिन देशभर में सभी ऑपरेशन सामान्य हैं। एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को उच्चतम प्राथमिकता दी गई है। कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। घरेलू पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई 100 फीसदी सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि जो राज्य सरकारें पीएनजी नेटवर्क विस्तार में सहयोग करेंगी, उन्हें 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी दी जाएगी।

हाल के दिनों में सवा लाख घरेलू और वाणिज्यिक कनेक्शन दिए गए हैं और पिछले तीन दिनों में 5,600 से अधिक उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग 94 फीसदी तक बढ़ गई है और 83 फीसदी सिलेंडरों की डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड से की जा रही है। कल 57 लाख रिफिल बुकिंग दर्ज की गईं।

उन्होंने कहा कि 31 राज्यों में मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं और 25 राज्यों में जिलास्तरीय कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। सभी जिलाधिकारियों और फूड एंड सप्लाई अधिकारियों को कालाबाजारी रोकने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। पूरे देश में कल करीब 600 रेड की गईं। उत्तर प्रदेश में 1,100 रेड के जरिए लगभग 1,000 सिलेंडर सीज किए गए, जिनमें 17 एफआईआर दर्ज हुईं और एक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ। मध्यप्रदेश में 1,700 रेड में करीब 2,500 सिलेंडर जब्त किए गए। केंद्रीय पत्तन, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि गल्फ क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में कोई घटना नहीं घटी है। फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य में सभी भारतीय जहाज सुरक्षित हैं। 611 जहाज सुरक्षित हैं और किसी घटना की सूचना नहीं है।

महानिदेशालय शिपिंग जहाज मालिकों, एजेंसियों और भारतीय मिशनों के साथ समन्वय कर रहा है। पिछले 24 घंटे में कंट्रोल रूम ने लगभग 150 कॉल और 225 ईमेल के जवाब दिए हैं, जबकि 16 भारतीय जहाजों की वापसी समन्वित प्रयासों से हुई। मंत्रालय गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के बंदरगाहों और बोर्डों के साथ करीबी समन्वय में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कल कुवैत के क्राउन प्रिंस से बातचीत की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार साझा किए और हालिया घटनाक्रम पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की निंदा दोहराई और होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने को भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

राज्यसभा में खुलासा

2021 से ‘नैक’ की मान्यता के बगैर चल रहे बंगाल के तीन विश्वविद्यालय

कोलकात। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता को लेकर पश्चिम बंगाल के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

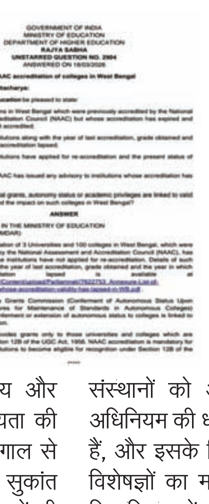
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF EDUCATION
DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION
RAJYA SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. [illegible]
ANSWERED ON [illegible]
NAAC accreditation of colleges in West Bengal
[illegible]
ANSWER
MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION
(DR. SUKANTA MAJUMDAR)
[illegible]

राज्यसभा में सरकार की ओर से दिए गए एक लिखित उत्तर के अनुसार, राज्य के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों-रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, गौर बंग विश्वविद्यालय और कल्याणी विश्वविद्यालय की नैक मान्यता की अवधि समाप्त हो चुकी है। पश्चिम बंगाल से सांसद और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने बताया कि इन विश्वविद्यालयों की मान्यता वर्ष 2021 में समाप्त हो गई थी। चौंकाने वाली बात यह है कि इन संस्थानों ने अब तक पुनः मान्यता (री-एक्रेडिटेशन) के लिए आवेदन भी नहीं किया है।

सरकार के अनुसार, नैक मान्यता उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, स्वायत्तता का दर्जा और अन्य शैक्षणिक सुविधाएं इससे जुड़ी होती हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि (यूजीसी) केवल उन्हीं संस्थानों को अनुदान देता है जो यूजीसी अधिनियम की धारा 12बी के तहत मान्यता प्राप्त हैं, और इसके लिए नैक मान्यता अनिवार्य है। विशेषज्ञों का मानना है कि, राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों का इस तरह नैक मान्यता खो देना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

कांग्रेस ने VBSA विधेयक को संघीय ढांचे का उल्लंघन बताया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उच्च शिक्षा नियामक ढांचे में प्रस्तावित बदलावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) जैसी प्रमुख संस्थाओं में बड़ी संख्या में रिक्त पदों का खुलासा हुआ है। ऐसे समय में सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीबीएसए) विधेयक-2025 चिंताजनक है। कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने पार्टी का आधिकारिक पत्र जारी करते हुए कहा कि पार्टी को इस विधेयक के मौजूदा स्वरूप पर 7 आपत्तियां हैं। शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है, लेकिन इस विधेयक के मसौदे में राज्य सरकारों से कोई परामर्श नहीं किया गया। यह संघीय ढांचे का उल्लंघन है। पत्र में कहा गया है कि विधेयक में अनुदान देने वाली परिषद का प्रावधान नहीं है, जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इसका स्पष्ट उल्लेख था। इससे अनुदान देने की शक्ति अकादमिक संस्थाओं से निकलकर मंत्रालय के हाथों में चली जाएगी। इससे उच्च शिक्षा का केंद्रीकरण होगा और अकादमिक स्वतंत्रता प्रभावित होगी। जयराम रमेश ने कहा कि नई व्यवस्था में यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई का प्रशासन अब शिक्षाविदों के बजाय नौकरशाहों के हाथों में होगा। इससे शिक्षा का संचालन अकादमिक दृष्टिकोण से हटकर प्रशासनिक दृष्टिकोण से होगा। रमेश ने कहा कि इस विधेयक का असर राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईआईआईटी, आईआईएसईआर) पर भी पड़ सकता है।

अहमदाबाद में नकली नोटों का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बीती देर रात अमराईवाड़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की नकली भारतीय मुद्रा जब्त की है। इस मामले में सूरत की एक महिला समेत कुल 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपितों के पास से कुल 2.90 करोड़ की नकली नोट बरामद हुए हैं। इनमें से 2.10 करोड़ अहमदाबाद से और 80 लाख सूरत से जब्त किए गए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में नोटों की गिनती करने में पुलिस को लगभग 6 घंटे का समय लगा। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजियन ने आज बताया कि आरोपित चीन से हाई क्वालिटी का पेपर मंगाकर नकली नोट तैयार करते थे। इन नोटों का इस्तेमाल वे खास तौर पर जमीन के सौदों में खपाने के लिए करते थे और इसके लिए आंगड़िया नेटवर्क का भी उपयोग किया जाता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित पहले भी अहमदाबाद में 3-4 वित्तीय लेनदेन कर चुके हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध लग्जरी कार को

अमराईवाड़ी में रोका, जिस पर ‘सत्यम योग फाउंडेशन’ लिखा हुआ था। जांच के दौरान कार से भारी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए। आरोपित खुद को सरकारी वाहन दिखाने के लिए भारत सरकार और आयुष मंत्रालय के नाम का दुरुपयोग कर रहे थे।

पूछताछ के दौरान इस पूरे रैकेट के तार सूरत तक जुड़े पाए गए। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना दी गई, जहां उधना इलाके में छापेमारी कर हाईटेक प्रिंटिंग मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए गए। साथ ही 80 लाख की नकली नोट भी जब्त किए गए। क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद और सूरत में कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद से 2.10 करोड़ और सूरत से 80 लाख की नकली नोट बरामद किए। इस मामले में सत्यम योग फाउंडेशन के प्रदीप गुरुजी को भी गिरफ्तार किया गया है।

फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और आशंका है कि इस गिरोह के और भी बड़े कनेक्शन सामने आ सकते हैं।

‘सरके चुनर’ गाने पर एनसीडब्ल्यू ने नोरा फतेही, संजय दत्त समेत पांच लोगों को भेजा समन

नई दिल्ली। 'सरके चुनर' गाने पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लेते हुए नोरा फतेही और संजय दत्त समेत पांच लोगों को समन भेजा है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने आयोग के अधिनियम, 1990 के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए मीडिया रिपोर्ट्स का संज्ञान लेते हुए ‘सरके चुनर सरके’ गाने में अश्लीलता और अभद्रता के आरोप लगाए गए हैं।

आयोग ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उक्त सामग्री प्रथम दृष्टया यौन संकेतात्मक, आपत्तिजनक तथा भारतीय न्याय संहिता, आईटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करती प्रतीत होती है। इस मामले को आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने अभिनेत्री नोरा फतेही, गीतकार रकीब आलम, अभिनेता संजय दत्त, निर्माता वेंकट के नारायण और निर्देशक किरण कुमार को समन जारी किया है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे 24 मार्च को दोपहर 12:30 बजे आयोग के समक्ष उपस्थित हों और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करें।

भारत ने ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने पर चिंता जतायी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गैस भंडारण केंद्रों पर ताजा हमलों से पैदा चिंताओं के बीच भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसे हमले ‘अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए।’ भारत ने इन हमलों को अत्यंत परेशान करने वाला बताया और कहा कि ये पहले से ही अनिश्चितता से गुजर रहे वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक अस्थिर करेंगे।

ईरान ने अपने साउथ पार्स गैस क्षेत्रों पर इजराइल के हमलों के जवाब में रास लाफान में कतर के एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) केंद्र सहित पश्चिम एशिया के कई ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने इससे पहले पूरे क्षेत्र में नागरिक बुनियादी ढांचे, जिसमें ऊर्जा बुनियादी ढांचा भी शामिल है, को निशाना बनाने से बचने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हालिया हमले अत्यंत परेशान करने वाले हैं और पहले से ही अनिश्चितता से गुजर रहे वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक अस्थिर ही करेंगे। जायसवाल ने कहा कि ऐसे हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में वाममोर्चा की दूसरी सूची जारी, 32 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर वाममोर्चा ने गुरुवार को अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी। इस सूची में 32 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इससे पहले वाममोर्चा पहली सूची में 192 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुका था। दूसरी सूची के साथ अब तक कुल 224 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जा चुके हैं।

दूसरी सूची के अनुसार, कालचिनी (एसटी) सीट से आरएसपी के पासंग शेरपा को उम्मीदवार बनाया गया है। करनदिघी से माकपा के एमडी साहाबुद्दीन और हबीबपुर से बसुदेव मुर्मू को टिकट दिया गया है। चांचल से अनवारुल हक, भगवानगोला से महमूदुल हसन और रानीनगर से जमाल हुसैन को उम्मीदवार बनाया गया है। नवग्राम (एससी) सीट से पूर्णिमा दास और जलंगी से यूनुस अली सरकार को टिकट मिला है। कृष्णनगर उत्तर से अद्वैत विश्वास, कृष्णगंज (एससी) से अर्चना विश्वास और कल्याणी (एससी) से सबुज दास को उम्मीदवार बनाया गया है। बसिरहाट दक्षिण से ऐनुल आरफिन को मैदान में उतारा गया है।

कुलतली (एससी) से रामशंकर हालदार, जयनगर (एससी) से अपूर्व प्रमाणिक और बारुईपुर पश्चिम से लायक अली को उम्मीदवार बनाया गया है। डायमंड हार्बर से समरेंद्र नाथ नैया को टिकट दिया गया है। टॉलीगंज से प्रोफेसर पार्थ प्रतिम विश्वास, मेटियाब्रुज से अधिवक्ता मनीरुल इस्लाम और भवानीपुर से अधिवक्ता श्रीजीव विश्वास उम्मीदवार बनाए गए हैं। बालीगंज से कलाकार अफरीन बेगम को उम्मीदवार बनाया गया है। चांपदानी से चंद्रनाथ बनर्जी, जांगीपाड़ा से सुदीप्त सरकार और पुरशुड़ा से संदीप कुमार सामंत को उम्मीदवार बनाया गया है।

पांशकुड़ा पूर्व से इब्राहिम अली और पांशकुड़ा पश्चिम से निरंजन सिही को टिकट मिला है। नंदीग्राम से सीपीआई के शांति गिरी, खेजुरी (एससी) से हिमांशु दास और नयाग्राम (एसटी) से डॉ. पुलिन बिहारी बास्के को उम्मीदवार बनाया गया है। गोपिबल्लभपुर से विकास सारंगी, मोंतेश्वर से अनुपम घोष और आसनसोल उत्तर से अखिलेश कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। मुरारई से मोहम्मद अली रेजा मंडल को टिकट दिया गया है। वाममोर्चा की इस सूची से स्पष्ट है कि गठबंधन ने विभिन्न क्षेत्रों में संतुलन बनाते हुए अपने उम्मीदवारों का चयन किया है। आने वाले दिनों में बाकी सीटों पर भी उम्मीदवारों की घोषणा होने की संभावना है।

चुनाव से पहले बंगाल में बम और हिंसा की घटनाएं बढ़ीं : भाजपा

कोलकाता। सॉल्ट लेक स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य कार्यालय में गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद राहुल सिन्हा ने राज्य में बढ़ती राजनीतिक हिंसा को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

राहुल सिन्हा ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, पूरे पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा और बम से जुड़ी घटनाओं में वृद्धि हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में बम विस्फोट और हथियारों के जखीरे मिलने की घटनाओं के पीछे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का हाथ है। उन्होंने दावा किया कि अतीत में स्कूल परिसरों तक को हथियारों के भंडार में बदल दिया गया था और बम विस्फोटों में बच्चों की मौत जैसी दुखद घटनाएं भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा कभी गहन तलाशी के आदेश दिए गए थे, लेकिन वह अभियान जल्द ही बंद हो गया और इसके कारणों का जवाब अब तक नहीं मिला है। हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देगंगा में एक युवक का शव बरामद होना सत्तारूढ़ दल के अंदरूनी संघर्ष का परिणाम है। उनके मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक विवाद ही राज्य में अशांति का एक बड़ा कारण हैं, जबकि इसका दोष अन्य पार्टी पर मढ़ने की कोशिश की जाती है।

तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार हुमायूं कबीर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यदि एक पूर्व पुलिस अधीक्षक और वर्तमान उम्मीदवार को अपने ही क्षेत्र में सुरक्षा के बिना जाने में डर लगता है, तो इससे राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति स्पष्ट हो जाती है। राहुल सिन्हा ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक संघर्षों में कई कार्यकर्ताओं की मौत हुई है, जो अब एक स्थायी राजनीतिक संस्कृति का रूप ले चुकी है। इस कारण पुलिस प्रशासन का बड़ा हिस्सा ऐसे संघर्षों को नियंत्रित करने में व्यस्त रहता है। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कई मामलों में पीड़ितों को ही दोषी ठहराया गया और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, जो कानून-व्यवस्था की गिरती स्थिति को दर्शाता है। चुनाव आयोग की भूमिका पर उन्होंने कहा कि हाल में किए गए प्रशासनिक बदलाव निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार खुद पहले कई पुलिस अधिकारियों का तबादला कर चुकी है, लेकिन अब आयोग के कदमों का विरोध कर रही है। पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि अन्य दलों के उम्मीदवारों या गठबंधनों को लेकर भाजपा को कोई चिंता नहीं है और जनता का समर्थन ही अंतिम परिणाम तय करेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के बयानों को “भ्रम पैदा करने की कोशिश” बताते हुए कहा कि जनता वास्तविक स्थिति को समझ रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में राहुल सिन्हा ने कहा कि भाजपा राज्य में कानून का राज स्थापित करने, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और किसान-श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य में सुरक्षित और लोकतांत्रिक माहौल बहाल किया जाएगा और बंगाल को फिर से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया जाएगा।

मुंबई के ब्रिटिश काल के 4,000स्टॉल धारकों को सुरक्षा दें: विधायक केलकर

मुंबई। मुंबई में चार हज़ार ब्रिटिश ज़माने के स्टॉल होल्डर्स को हॉकर्स घोषित करने के लिए मुंबई महानगर पालिका द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है। ठाणे के विधायक संजय केलकर ने सेशन में संबंधित स्कीम लागू करके इन स्टॉल होल्डर्स को सुरक्षा देने की मांग की।

बीजेपी विधायक संजय केलकर ने आज जारी एक बयान में बताया है कि मुंबई मनपा की सीमा में ब्रिटिश ज़माने के करीब चार हज़ार स्टॉल होल्डर्स अब तक हर तरह की फीस देकर बिज़नेस कर रहे हैं। मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन इन स्टॉल होल्डर्स को हॉकर्स घोषित करने का प्रस्ताव लाया है और लाइसेंस ट्रांसफर और खरीदने-बेचने पर रोक लगा दी है। इस व्यवसाय से हज़ारों परिवार गुज़ारा कर रहे हैं और बीएमसी के इस फ़ैसले की वजह से ये परिवार भुखमरी की नौबत पर आ गए हैं। ठाणे विधायक संजय केलकर ने हाउस के ध्यान में लाया कि आदर्श बीएमसी स्टॉल लाइसेंस होल्डर्स यूनियन 25 सालों से लड़ रही है। उन्होंने यह भी साफ़ किया कि स्टॉल होल्डर्स को मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के संबंधित अधिकारियों ने दो बार रिप्रेजेंट किया था, लेकिन उन्हें बचाने का फ़ैसला अभी तक लागू नहीं हुआ है। स्टॉल होल्डर्स और हॉकर्स की अलग-अलग परिभाषा हैं और स्टॉल होल्डर्स को हॉकर्स बताने के फ़ैसले से हज़ारों परिवार सड़कों पर आ गए हैं। बीजेपी विधायक केलकर ने मांग की कि इन स्टॉल होल्डर्स को सही फ़ीस लेकर संबंधित स्कीम का फ़ायदा दिया जाना चाहिए और उन्हें बचाया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में स्थापित किया 'श्रीराम यंत्र', एयरपोर्ट से मंदिर तक दिखा सांस्कृतिक माहौल

एयरपोर्ट पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का किया स्वागत

अयोध्या। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सनातन नव संवत्सर के अवसर पर श्रीराम यंत्र की स्थापना की। यह श्रीराम यंत्र जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल के गर्भगृह में अभिजीत मुहूर्त में वैदिक आचार्यों ने मंत्रोच्चार विधिवत पूजा अर्चना कर स्थापित कराया। राष्ट्रपति मुर्मु का अयोध्यावासियों ने एयरपोर्ट से मंदिर तक भव्य स्वागत किया।

गुरुवार को राष्ट्रपति मुर्मु के अयोध्या पहुंचने पर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने राष्ट्रपति का अभिवादन करते हुए उन्हें 'नगर की चाबी' भेंट की। यह सम्मान अतिथि को नगर की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च प्रतीकात्मक सम्मान माना जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दूसरी बार अयोध्या पहुंची हैं।

इसके बाद एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए राष्ट्रपति का काफिला रवाना हुआ। पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिला। सड़क के दोनों ओर करीब 20 सांस्कृतिक मंच सजाए गए थे, जहां लगभग 250 कलाकारों ने रामायण आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भारतीय वेशभूषा में कलाकारों ने स्वागत गीत, भजन, अवधी-भोजपुरी लोकगायन-लोकनृत्य समेत भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों के जरिए मन मोह लिया।

अयोध्यावासियों ने भी सड़क किनारे खड़े होकर पुष्प वर्षा की और जयकारों कर देश की प्रथम नागरिक का गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति ने भी अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। कार्यक्रम को और भव्य बनाने के लिए रास्ते के सांस्कूतिक मंचों पर रामलीला के अंश, झांकियां, ढोल-नगाड़ा, शंखनाद, वेदपाठ और भजन-कीर्तन जैसी पारंपरिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं, जिससे अयोध्या की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। राष्ट्रपति के आगमन पर सजी अयोध्या नगरी में हर ओर श्रद्धा, उत्साह और उल्लास का वातावरण दिखा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने श्रीराम मंदिर पहुंचने पर सर्वप्रथम प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर पूजा व आरती की। तत्पश्चात ₹श्रीराम यंत्र₹ स्थापना का विधान सम्पन्न कराया। संपूर्ण विधि विधान से ₹श्रीराम यंत्र₹ की स्थापना के साथ ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण नए इतिहास का साक्षी बन गया। 'श्रीराम यंत्र' की स्थापना होते ही श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में प्रभु श्री राम के जयघोष से गुंजायमान हो गया। राष्ट्रपति ने श्रीराम मंदिर परिसर का भ्रमण कर यहां की दीवारों पर उकेरी गईं आकृतियों का भी अवलोकन किया। यंत्र स्थापना के समय राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केरल से आईं मां अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, सदस्य गोपाल के अलावा साधु संत एवं देश विदेश से आए सात हजार से अधिक गणमान्य उपस्थित रहे।

यह श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज ने शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। दक्षिण भारत, काशी, अयोध्या के आचार्यों द्वारा मंदिर में श्रीराम यंत्र के लिए नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुका था।

31 मार्च तक नहीं जमा किया टैक्स तो भरना होगा जुर्माना: नगर आयुक्त

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में रहने वाले लोग यदि 31 मार्च तक गृहकर, जलकर व सीवरकर नहीं जमा करते हैं, तो अगले वित्तीय वर्ष में आपको मूल राशि के साथ भारी ब्याज और विलंब शुल्क का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में अतिरिक्त आर्थिक चपत व विधिक कार्रवाई से बचने के तत्काल टैक्स जमा करना ही बेहतर होगा । नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से पहले कर वसूली अभियान में पूरी ताकत झोंक दी है।

नगर निगम सभागार में गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि वर्तमान वर्ष संपत्ति कर वसूली के लिए 225 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके सापेक्ष 18 मार्च तक 1.80 लाख भवन स्वामियों से 192.23 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब महज 12 दिन शेष हैं। ऐसे में जिन भवन स्वामियों ने अब तक टैक्स जमा नहीं किया है, वे 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से भुगतान कर दें। यदि इस अवधि तक कर जमा नहीं होता है, तो अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बिल में पिछला बकाया ब्याज सहित जोड़कर वसूला जाएगा तथा साथ ही नियमानुसार विधिक रूप से कड़ी कार्यवाही भी की जाएगी। इसके अतिरिक्त, करेत्तर मदों जैसे दुकानों के किराए और लाइसेंस शुल्क में देरी होने पर मूल धनराशि पर 50 प्रतिशत विलंब शुल्क लगाया जाएगा।

उन्होंने बताया गया कि सदन द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार 63,414 भवन स्वामियों को सरचार्ज के रूप में 72.07 करोड़ रुपये की छूट दी गई थी। इसी क्रम में फरवरी 2026 से 18 मार्च तक चले विशेष अभियान में 27,352 लोगों ने 36.19 करोड़ रुपये जमा किए, जिससे उन्हें 15.88 करोड़ रुपये की छूट का सीधा लाभ मिला। घर बैठे आनलाइन भी टैक्स जमा किया जा सकता है । नगर निगम की वेबसाइट पर जाकर घर बैठे टैक्स जमा किया जा सकता है। इसके सभी जोनों पर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक कंप्यूटरीकृत टैक्स कलेक्शन सेंटर संचालित हैं। वहीं राजस्व निरीक्षक एम-पॉस डिवाइस के साथ घर-घर जाकर भी कर संग्रह कर रहे हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम की 1924 दुकानों और अन्य 23 मदों (होटल, लॉज, अस्पताल, विज्ञापन आदि) से भी राजस्व वसूली तेज कर दी गई है। पिछले वित्तीय वर्ष में इन मदों से 71.32 करोड़ की वसूली हुई थी, जबकि इस वर्ष 101.94 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 88.78 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं।

बृहद पौधरोपण की तैयारी में जुटा वन क्षेत्र रामनगर

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में रामनगर वन विभाग बृहद पौधरोपण की तैयारी में लगा हुआ है। आने वाले पौध रोपण सीजन के लिए रामनगर तहसील के रानीबाजार रेंज अंतर्गत पांच पौधशालाओं में विभिन्न प्रजाति के 10,30,000 पौधे तैयार हो रहे हैं। कुल 88 हेक्टेयर भूमि में पौधरोपण कराया जाएगा। अब तक पौध रोपण के लिए चिन्हित स्थानों पर 1,76,800 गड्ढों की खुदाई भी की जा चुकी है । बाकी गड्ढों की खुदाई का कार्य जारी है।

रामनगर क्षेत्र की रेंजर अल्पना पांडेय ने डिप्टी रेंजर मनोज कुमार यादव,वन दरोगा सचिन पटेल, रोली अवस्थी को पौधरोपण के प्लान में लगाया है जो इन दिनों ऑफिस में उन स्थानों का ब्यौरा बना रहे हैं जहां पौध रोपण कराया जाना है। उन्होंने बताया कि रामनगर रेंज में दिवली, लालपुर गुमान, मंहगू पुर, पारिजात व

सैदनपुर में वन विभाग की पौधशालाए हैं। इन पौधशालाओं में वन विभाग द्वारा नीम, आप, पाकड़, पीपल, गुलर, बरगद, सागौन, यूपीलिप्ट्स, अमरूद आदि फलदार व छायादार पौधे उगाए गए हैं। कुछ औषधीय पौधे भी उगे हैं उनको भी लगवाया जाएगा।

महादेवा मार्ग, दरियाबाद सफदरगंज मार्ग, चौकाघाट, कुशफ़र वन ब्लॉक मार्ग आदि शामिल हैं। रेंजर ने बताया कि पौधरोपण की तैयारी चल रही है । स्थल चिह्न कर गड्ढे खुद रहे हैं। समय से पौधरोपण हो यही लक्ष्य है।

लोकसभा में उठा अगानपुर रेलवे पुल के चौड़ीकरण का मुद्दा

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में रामनगर मुख्य चौराहे से निकल कर फतेहपुर जाने वाले मार्ग पर स्थित अगानपुर रेलवे पुल के चौड़ीकरण का मामला सांसद तनुज पुनिया ने लोकसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि यह पुल काफी संकरा है जिसकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं और आम लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसे जनहित में चौड़ा कराया जाए। सांसद ने सदन में सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए कहा कि क्षेत्र की बढ़ती यातायात व्यवस्था को देखते हुए इस पुल का चौड़ीकरण बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने मांग की कि यह पुल अयोध्या से दिल्ली जाने वाले वाहनों के लिए जीवन रेखा है । जन हित को ध्यान में रखते हुए अगानपुर रेलवे पुल को जल्द से जल्द चौड़ा कराया जाए ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके और लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके साथ ही सांसद तनुज पुनिया ने भयारा रेलवे क्रॉसिंग पर पिछले डेढ़ साल से बन रहे पुल का मुद्दा भी लोकसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से निर्माण कार्य चलने के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य को तेजी से पूरा कराते हुए पुल को जल्द चालू कराने की मांग की।

कोल्ड स्टोरेज पर आलू रखने के लिए लगी लंबी लाइनें, प्रबंधन की सुस्ती से किसान परेशान

बाराबंकी। रामनगर क्षेत्र के कई कोल्ड स्टोरेजों पर इन दिनों आलू रखने के लिए किसानों की लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। सड़क किनारे ट्रैक्टर-ट्रॉली और पिकअप वाहनों की कतारें दूर तक लगी दिखाई दे रही हैं। किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

किसानों का कहना है कि कोल्ड स्टोरेज प्रबंधन की सुस्ती के कारण आलू उतरवाने और जमा कराने की प्रक्रिया काफी धीमी चल रही है। सुबह से पहुंचने के बाद दिन भर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता हैं। दो दिन तक आलू रखने में लग जाता है। सड़क किनारे वाहनों की लंबी कतार लगने से आवागमन भी प्रभावित हो रहा है और दुर्घटना की

आशंका बनी रहती है। किसानों का कहना है कि यदि प्रबंधन व्यवस्था को तेज करे और पर्याप्त मजदूर लगाए तो लंबी लाइन की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।किसानों ने कोल्ड स्टोरेज प्रबंधन से व्यवस्था सुधारने की मांग की है, ताकि समय से आलू सुरक्षित रखा जा सके और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। तहसीलदार रामनगर विपुल सिंह ने कहा अगर किसी किसान को किसी प्रकार की दिक्कत होती है तो वह मुझे अवगत करा सकता है तहसील प्रशासन समस्या हल कराएगा।

नवसंवत्सर : सरयू तट पर उदय होते सूर्य को अर्घ्य दिया

अयोध्या। नवसंवत्सर, विक्रम संवत 2083 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर गुरुवार को सरयू तट पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया I इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल, नगर निगम मेयर गिरीश पति त्रिपाठी, सरयू आरती संयोजक महंत शशिकांत दास विशेष रुप से उपस्थित रहे। नगर निगम मेयर

गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि आज नवसंवत्सर पर अयोध्या महानगर वासियों के सुख-समृद्धि की मंगलकामना की।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से लुटेरा घायल,दीवान को भी लगी गोली

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के कानपुर में कायमगंज कोतवाली पुलिस अभिरक्षा से भाग रहे लुटेरे को पुलिस ने बुधवार को देर रात मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। लुटेरे की गोली से दीवान तथा पुलिस की गोली से लुटेरा घायल हो गया। दोनो घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया की लूट के मामले में पड़ोसी जिला कासगंज के पटियाली निवासी लुटेरे कुलदीप को गिरफ्तार कर थाने लाया गया था। पुलिस कुलदीप से लूटे गए कुंडलों की

बरामदगी के लिए ले जा रही थी शातिर कुलदीप ने वहां 315 बोर का तमंचा छिपा रखा था। एएसपी ने बताया कि कुलदीप ने भाग जाने के लिए तमंचे से दीवान धर्मेंद्र तिवारी के ऊपर जान से मार देने की नीयत से दो फायर किए।

लुटेरे की गोली हाथ में लगने से दीवान तिवारी घायल हो गए। पुलिस ने आत्म रक्षार्थ गोली चलाई। गोली पैर में लगने से लुटेरा कुलदीप घायल हो गया। पुलिस ने कुलदीप की निशानदेही पर लूटे गए कुंडल बरामद कर लिए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

मालूम हो कि कुलदीप जनपद कासगंज थाना पटियाली के ग्राम मिलक इलाही अल्लौयापुर निवासी सजीवन सिंह का पुत्र है। अमृतपुर थाना के करनपुर निवासी राम राजपूत अपनी बहन मंजू को बाइक पर बैठाकर 14 मार्च को एटा जनपद के लहटोरा गांव जा रहे थे। वह दोपहर के समय ढमढ़ेरा और बिराहिमपुर गांव के बीच से गुजर रहे थे।

तभी पीछे से आए दो बाइक सवार युवकों ने चलती बाइक पर मंजू के कानों पर झपट्टा मारकर कुंडल नोच लिये। लुटेरों के फरार हो जाने पर मंजू चीखने लगी। चिल्लाने पर पीछे आ रही बोलेरो चालक ने लुटेरों का पीछा किया। पीछा किए जाने से घबराये बाइक सवार लुटेरे अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा गिरे। आरोपी सनी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। राम ने लुटेरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

शक्ति उपासना के महापर्व चैत्र नवरात्र की शुरुआत कानपुर के मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

कानपुर। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर गुरुवार से शक्ति उपासना का महापर्व शुरू हो गया। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में मां दुर्गा के नौ रूपों की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। कानपुर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और मंदिरों के बाहर दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए माता के जयकारे लगाए।

नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित प्रमुख मंदिर जैसे बिरहाना रोड का तपेश्वरी माता मंदिर, हटिया का बुद्धा माता मंदिर, बंगाली मोहाल का मां काली मंदिर, शहर के दक्षिणी इलाके में मां बारादेवी मंदिर और वैभव लक्ष्मी मंदिर विशेष रूप से सजाए गए थे। श्रद्धालुओं ने माता के चित्रों और मूर्तियों पर चुनरी चढ़ाई, नारियल अर्पित किए

और दीप प्रज्वलित कर मंगलकामनाओं के साथ भक्ति भाव व्यक्त किया। विशेष रूप से बिरहाना रोड स्थित तपेश्वरी माता मंदिर में इस अवसर पर भारी भीड़ देखी गई। इस मंदिर की मान्यता पौराणिक कथाओं से जुड़ी है।

पुजारी के अनुसार, यह मंदिर माता सीता से संबंधित है और माना जाता है कि माता ने अपने वनवास काल में यहीं अपने पुत्र लव-कुश का मुंडन संस्कार कराया था। इस कारण भक्त मुंडन संस्कार के लिए भी बड़ी संख्या में यहां आते हैं।

मंदिर में सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालु दर्शन के लिए कतार में खड़े हो गए। हाथों में पूजा सामग्री और नारियल लिए भक्त माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। मंदिर के पुजारी शिवमंगल ने कहा कि नवरात्र में यहां घी के दीप जलाने की विशेष मान्यता है। भक्त बड़े कटोरों में दीपक जलाते हैं। ये दीपक पूरे नौ दिन लगातार जलते रहते हैं और मंदिर परिसर आस्था के प्रकाश से जगमगा उठता है।

यह देखकर भक्तों का हृदय श्रद्धा और उल्लास से भर जाता है। मंदिर परिसर में भक्तों की भक्ति और उमंग का आलम था। जयकारों, मंत्रों और भजन की गूंज से पूरा माहौल भक्तिमय और दिव्य अनुभूति से परिपूर्ण हो गया। लोग मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के साथ ही अपने परिवार और समाज की खुशहाली की कामना भी कर रहे थे। नवरात्र के इस पहले दिन ही मंदिरों में लगी भीड़ और भक्ति भाव यह दर्शाता है कि कानपुरवासियों की आस्था और श्रद्धा अब भी प्राचीन परंपराओं के अनुरूप जीवंत है।

देवी मंदिरों में लगी भक्तों की भीड़

पुलिस ने 14 सेक्टर और 4 जोन में बांटी सुरक्षा

फर्रुखाबाद। नवरात्र के पहले दिन गुरुवार को शहर के देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ लगी। सुबह से ही महिलाओं ने नंगे पांव मंदिर पहुंचकर देवी मां की पूजा अर्चना की और मनौती मांगी।

वैसे तो जिले में 42 प्रमुख देवी मंदिर हैं लेकिन सर्वाधिक भीड़ बढ़पुर शीतला देवी मंदिर पर लगती है। यहां आसपास के जिलों के लोग आकर अपने बच्चों के मुंडन करवाते हैं। शीतला देवी से मनौती मांग कर मनौती पूरी होने पर फिर दर्शन करने आते हैं। आज नवरात्र के पहले दिन यहां भारी भीड़ उमड़ी। पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था बहाल रखने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि देवी मंदिरों की सुरक्षा के लिए जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने जिले को 14 सेक्टरों और 4 जोन में विभाजित किया है। इनमें सभी मंदिरों पर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस बल चप्पे चप्पे पर

नजर रखे हुए हैं। मजिस्ट्रेट और जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी गई है जो मौके पर मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए है।

जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहारों को देखते हुए पुलिस पूरी तरह से चौकन्नी है। पुलिस कप्तान आरती सिंह खुद नजर बनाए हुए हैं। नवरात्र के आज पहले दिन मठिया देवी मंदिर, गुड़गांव मंदिर और शीतला देवी मंदिर, पुठरी मंदिर, नर्मदेश्वर महाराज मंदिर पर भक्तों की भारी भीड़ रही। यहां मां के दर्शन करने के लिए लोग लाइनों में लग रहे। माँ दुर्गा की लोग दिन भर पूजा अर्चना करते रहे। वहीं आवास विकास स्थिति इस मंदिर पर लोगो ने देवी की पूजा अर्चना के साथ, हनुमान, नर्मदेश्वर महादेव, शनिदेव व ब्रह्म देव से मनौती मांगी।

समाचार लिखे जाने तक जिले के देवी मंदिरों में भारी भीड़ लगी हुई है। मंदिरों और उनके परिसरों में या देवी सर्वभूतेषु मंत्र की गूंज सुनाई पड़ रही है। कुल मिलाकर नवरात्र के पहले दिन ही शहर का माहौल देवी मय हो गया है।

मेस्सी ने किया 900वां गोल

रोनाल्डो के क्लब में हुए शामिल

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया। मेस्सी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ़ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की। लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेस्सी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में अपने करियर के 900 गोल पूरे किए। उस समय उनकी उम्र 39 वर्ष थी, जबकि मेस्सी जून में 39 वर्ष के होंगे। इस ऐतिहासिक गोल ने फुटबॉल जगत से बाहर के सितारों का भी ध्यान आकर्षित किया। बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर मैजिक जॉनसन ने सोशल मीडिया पर

पोस्ट किया कि मेस्सी का 900 गोल तक पहुंचना ''अविश्वसनीय उपलब्धि है।'' कुछ लोगों का मानना है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे। पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे।

नैशविले ने हालांकि मेस्सी को इस उपलब्धि का जश्न नहीं मानने दिया क्योंकि उसने इंटर मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपने प्रतिद्वंद्वी के घरेलू मैदान पर गोल करने के आधार पर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले हफ्ते नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। यह उपलब्धि मेस्सी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है। इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं। मेस्सी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं, जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का एमएलएस खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेस्सी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल स्पेन के इस क्लब की तरफ से ही किए हैं।

मेस्सी विश्व कप से पहले ग्वाटेमाला के खिलाफ मैत्री मैच में अर्जेंटीना की कप्तानी करेंगे

ब्यूनस आयर्स। विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने के लिए प्रतिबद्ध अर्जेंटीना ने अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने के लिए लियोनेल मेस्सी को ग्वाटेमाला के खिलाफ 31 मार्च को होने वाले मैत्री फुटबॉल मैच के लिए टीम में शामिल किया है। यह मैच ब्यूनस आयर्स के ला बोम्बोनेरा में खेला जाएगा। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच 27 मार्च को कतर में होने वाला मैच मध्य पूर्व में संघर्ष जारी रहने के कारण रद्द कर दिया गया था। कोच लियोनेल स्कालोनी ने फिटनेस संबंधी दिक्कतों के कारण स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज, डिफेंडर लिसेंड्रो मार्टिनेज और मिडफील्डर जियोवानी लो सेल्सो को टीम में नहीं रखा है। बेनफिका के विंगर जियानलुका प्रेस्टियानी को चैंपियंस लीग मैच के दौरान विनीसियस जूनियर के खिलाफ कथित नस्लवादी टिप्पणी करने के कारण विवादों से घिरे होने के बावजूद टीम में शामिल किया गया है। तीन बार की चैंपियन अर्जेंटीना को विश्व कप में अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन के साथ एक ग्रुप में रखा गया है।

सौरव घोषाल को वर्ल्ड प्रीमियर स्क्वाश का खेल आयुक्त नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल को इस साल के आखिर में होने वाली वर्ल्ड प्रीमियर स्क्वाश (डब्ल्यूपीएस) लीग का खेल आयुक्त नियुक्त किया गया है। पीएसए विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंचने वाले भारत के एकमात्र पुरुष खिलाड़ी घोषाल के नाम 11 खिताब और एशियाई खेलों के नौ पदक के अलावा दो दशक तक प्रमुख प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। उन्होंने प्रोफेशनल स्क्वाश एसोसिएशन (पीएसए) के पुरुष अध्यक्ष तथा पीएसए और वर्ल्ड स्क्वाश (खेल की वैश्विक शासी निकाय) के संयुक्त खिलाड़ी आयोग के सह अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। डब्ल्यूपीएस ने बयान में कहा, ''घोषाल वर्ल्ड प्रीमियर स्क्वाश (डब्ल्यूपीएस) के खेल आयुक्त के रूप में लीग के संपूर्ण खेल ढांचे की जिम्मेदारी संभालेंगे, जिसमें प्रतियोगिता का प्रारूप, खिलाड़ियों की योग्यता और रेफरी के लिए मानक तय करना शामिल है।'' स्क्वाश लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में पदार्पण करेगा और घोषाल ने कहा कि इस लीग में बड़े खिलाड़ी तैयार करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्क्वाश खिलाड़ी उन क्लबों और मैदानों से उभरे हैं जो चकाचौंध से दूर थे। वर्ल्ड प्रीमियर स्क्वाश इस खेल के भावी महान खिलाड़ियों को शीर्ष तक पहुंचने के लिए वास्तविक मंच प्रदान करेगा।''

जोस बटलर को उम्मीद, कुछ दिन के आराम से आईपीएल में मदद मिलेगी

लंदन। इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा है कि टी20 विश्व कप के निराशाजनक अभियान के बाद कुछ दिन तक क्रिकेट से दूर रहने से उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मदद मिलेगी जिसमें वह गुजरात टाइटन्स के साथ एक नई शुरुआत करना चाहते हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बटलर को टीम का समर्थन मिलता रहा, भले ही भारत और श्रीलंका में खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे थे। विश्व कप में इंग्लैंड की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए बटलर ने आठ मैचों में केवल 87 रन बनाए। उनका औसत 10.87 और स्ट्राइक रेट 116 रहा। इंग्लैंड की टीम मुंबई में सेमीफाइनल

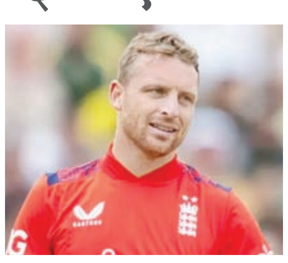

में भारत से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी को उम्मीद है कि पांच मार्च को सेमीफाइनल में हारने के बाद उन्हें विश्राम करने का जो मौका मिला है उससे उन्हें 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल में मदद मिलेगी। बटलर ने 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पॉडकास्ट पर कहा, ''मैं क्रिकेट से पूरी तरह दूर रहा। यह उस समय मेरे लिए बिल्कुल सही था। मुझे ठीक इसी की जरूरत थी।'' उन्होंने कहा, ''जाहिर है विश्व कप में मैं जिस तरह का प्रदर्शन करना चाहता था वैसे नहीं कर पाया। मुझे क्रिकेट से कुछ समय के लिए दूर रहने और खेल के बारे में न सोचने की जरूरत महसूस हुई। उस सप्ताह मैं क्रिकेट से पूरी तरह से दूर रहा। इससे मुझे काफी ताजगी मिली।'' आईपीएल 2022 का विजेता गुजरात टाइटन्स 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। बटलर ने कहा, ''धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से मैं थोड़ा आत्मचिंतन करना शुरू कर रहा हूं और इस बारे में कुछ सोच रहा हूं कि मेरे लिए और मेरे क्रिकेट के लिए क्या महत्वपूर्ण है।

सैमसन राजस्थान रॉयल्स का चेहरा बन गए थे, उन्हें खोना बहुत बड़ा नुकसान है: फाफ डुप्लेसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी का मानना है कि जिस तरह से महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स और विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पर्याय बन चुके हैं, इसी तरह से संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स का चेहरा माना जा सकता है और उनका जाना टीम के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। सैमसन राजस्थान रॉयल्स की तरफ से दो कार्यकाल में 11 सत्र में खेले। वह इस टीम के सबसे सफल खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने रॉयल्स की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने के अलावा सर्वाधिक रन भी बनाए हैं। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलेंगे। डुप्लेसी ने जिओ हॉटस्टार से कहा, ''अगर हम आईपीएल की टीमों पर गौर करें तो अधिकतर

टीमों के पास कोई एक ऐसा खिलाड़ी रहा है जो लंबे समय तक फ्रेंचाइजी का चेहरा रहा जैसे रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली। मैं संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स के लिए उसी तरह का खिलाड़ी मानता हूं।'' उन्होंने कहा, ''भले ही वह नई पीढ़ी के खिलाड़ी हैं, लेकिन वह उस फ्रेंचाइजी का चेहरा बन गए थे। जब मैं राजस्थान रॉयल्स के बारे में सोचता हूं, तो मुझे संजू सैमसन याद आते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उनका किसी अन्य टीम से जुड़ना प्रशंसकों, आईपीएल और टूर्नामेंट के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि उन्होंने वहां बहुत बड़ी भूमिका निभाई है।'' डुप्लेसी ने कहा कि सैमसन के जाने से राजस्थान रॉयल्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ जाएगी। सैमसन की मौजूदगी में जायसवाल अपना स्वाभाविक खेल खेलते थे लेकिन अब उन पर अधिक जिम्मेदारी आ गई है। उन्होंने कहा, ''संजू की मौजूदगी में यशस्वी जायसवाल को अपना नैसर्गिक खेल खेलने का मौका मिलता था क्योंकि दूसरे छोर से संजू लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। अब ऐसा नहीं होगा और उन पर अधिक जिम्मेदारी होगी। उस तरह के बल्लेबाज के लिए यह महत्वपूर्ण होता है कि वह जिम्मेदारी के बारे में नहीं सोचें। इसलिए यह सत्र उनके लिए सीखने की एक प्रक्रिया होगी।'' पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग को कप्तान नियुक्त करने के फैसले से उन्हें हैरानी हुई जबकि टीम में जायसवाल, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और इंग्लैंड के सैम कुरेन जैसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''मुझे इस फैसले से थोड़ा हैरानी हुई क्योंकि उसके पास यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा जैसे भारतीय खिलाड़ी और सैम कुरेन के रूप में विदेशी खिलाड़ी है जो कप्तानी कर सकते थे।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। देश के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने अचानक नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह पहली बार है जब एचडीएफसी बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में पद छोड़ा है। इससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल उठे हैं। उनका कार्यकाल चार मई 2027 को समाप्त हो रहा था। उन्होंने 17 मार्च को भेजे अपने इस्तीफे में कहा, '' पिछले दो वर्ष में बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाओं व प्रथाओं को मैंने देखा है जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों एवं नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे इस निर्णय का आधार है।'' शासन, नामांकन, पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन एच. के. भनवाला को लिखे पत्र में चक्रवर्ती ने कहा, '' उपरोक्त के अलावा मेरे इस्तीफे का कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है।'' एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चक्रवर्ती ने 18 मार्च 2026 को तत्काल प्रभाव से अंशकालिक चेयरमैन एवं स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। बैंक ने कहा, '' हालांकि चक्रवर्ती के इस्तीफा पर तारीख 17 मार्च 2026 है लेकिन यह बैंक को 18 मार्च 2026 को तीन बजकर 17 मिनट (आईएसटी) मिला।

एडीबी 2026-30 रणनीति के तहत पाकिस्तान को देगा 10 अरब डॉलर

इस्लामाबाद। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अगले पांच वर्ष में पाकिस्तान को करीब 10 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्तपोषण प्रदान करने का अनुमान है। बृहस्पतिवार को जारी एक खबर में यह जानकारी दी गई। मनीला स्थित इस ऋणदाता संस्था ने कहा कि यह सुविधा उसकी 2026-30 देश साझेदारी रणनीति (सीपीएस 2026-30) का हिस्सा है जिसे बुधवार को शुरू किया गया। समाचारपत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार, बैंक ने कहा कि सीपीएस '' निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाले विकास के माध्यम से देश को टिकाऊ एवं समावेशी वृद्धि की ओर ले जाने के लिए एक खाका प्रस्तुत करता है।'' इसमें कहा गया, '' पांच वर्षीय रणनीति तीन मार्ग पर केंद्रित होगी। निजी क्षेत्र के विकास को सक्षम बनाना, समावेशन एवं सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना और लचीलेपन व स्थिरता को मजबूत करना।'' इन प्राथमिकताओं को सुशासन एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण, लैंगिक समानता व सामाजिक समावेशन, डिजिटल परिवर्तन और क्षेत्रीय सहयोग एवं एकीकरण जैसे समग्र विषयों से मजबूती मिलेगी।

टाटा समूह के चेयरमैन चंद्रशेखरन को ब्रिटेन ने 'नाइटहुड' सम्मान से नवाजा

नई दिल्ली। टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंधों को मजबूत करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ब्रिटिश सरकार ने मानद 'नाइटहुड' से सम्मानित किया है। ब्रिटिश उच्चायुक्त के आवास पर बुधवार रात आयोजित कार्यक्रम में उन्हें 'नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (केबीई)' की उपाधि प्रदान की गई। यह ब्रिटेन का एक प्रतिष्ठित सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो विदेशी नागरिकों को उनकी असाधारण सेवाओं के लिए दिया जाता है। ब्रिटिश उच्चायोग ने बयान में कहा, '' टाटा समूह, ब्रिटेन में लंबे समय से निवेश करता आया है। यह निवेश मोटर वाहन, इस्पात, प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता क्षेत्रों तक फैला है। यह ब्रिटेन में रोजगार, उन्नत विनिर्माण एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की ओर बदलाव को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।'' इसमें कहा गया है, ''

टाटा समूह के चेयरमैन के रूप में उन्होंने भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंधों को मजबूत करने और कई वर्षों से ब्रिटेन में निवेश बढ़ाने में असाधारण योगदान दिया है।'' भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने चंद्रशेखरन को ''ब्रिटेन का बेहतरीन मित्र और भारत के कॉरपोरेट जगत की एक प्रतिष्ठित हस्ती'' बताया। यह सम्मान ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की ओर से कैमरून ने चंद्रशेखरन को प्रदान किया। उच्चायुक्त ने कार्यक्रम में कहा, '' यह मानद 'नाइटहुड' वैश्विक व्यापार पर उनके प्रभाव और ब्रिटेन व भारत के बीच विकास के अवसरों को आगे बढ़ाने में उनके अनेक योगदान का प्रमाण है। '' कैमरून ने कहा कि चंद्रशेखरन का नेतृत्व उद्यमशीलता की भावना, दूरदृष्टि और आकांक्षा का प्रतीक है, जिसने भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद की है। चंद्रशेखरन ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं है, बल्कि ''टाटा समूह के सभी सहयोगियों का है।'' उन्होंने कहा, '' 70,000 से अधिक कर्मचारियों के साथ, टाटा समूह का ब्रिटेन के साथ प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता, आतिथ्य, इस्पात, रसायन व मोटर वाहन क्षेत्रों में मजबूत और दीर्घकालिक संबंध रहा है। साथ ही जेएलआर और टेटली जैसे प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांड भी इससे जुड़े हैं।'' टाटा समूह के चेयरमैन ने कहा, '' भविष्य के लिए भी ब्रिटेन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत और अटूट बनी हुई है। हम ब्रिटेन में निवेश जारी रखेंगे... जेएलआर (जगुआर लैंड रोवर) को पूर्णतः इलेक्ट्रिक भविष्य की ओर ले जाने, उन्नत विनिर्माण विशेषकर बैटरी प्रौद्योगिकी में, हरित इस्पात उत्पादन में और नवाचार परिवेश को मजबूत करने में...जो भविष्य के उद्योगों को आकार देगा।'' चंद्रशेखरन ने कहा, '' हमारा संकल्प साझेदारी को और गहरा करना है, निर्माण करना, सेवा करना और ब्रिटेन, भारत और टाटा समूह के बीच साझा समृद्धि का भविष्य निर्मित करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश करने के लिए बृहस्पतिवार को आमंत्रित किया और उनसे भारत में ''निर्माण, निवेश, नवाचार एवं विस्तार'' करने का आग्रह किया। 'भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट' 2026 में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने मोदी का लिखित संदेश पढ़ा जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। मोदी ने कहा, '' मैं वैश्विक समुदाय को भारत में निर्माण करने, भारत में नवाचार करने, भारत में निवेश करने और भारत के साथ विस्तार करने के लिए आमंत्रित करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन सार्थक संवाद एवं स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देगा जो भारत की वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करेंगी।'' उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पूरे बिजली व ऊर्जा तंत्र को एक मंच पर लाना है, ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो, सहयोग को बढ़ावा मिले और विकास व जीवन स्तर सुधार के लिए साझा मार्ग तैयार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, '' यह विकास को ऊर्जा प्रदान करने एवं स्थिरता लाने, वैश्विक स्तर पर जुड़ने और 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती

प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और हम अवसंरचना को मजबूत कर रहे हैं तथा सभी के लिए विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की प्रगति इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। 50 प्रतिशत से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पहले ही हासिल की जा चुकी है और 2030 तक 500 गीगावाट का स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' जैसी पहल वैश्विक सहयोग के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। मोदी ने कहा कि भारत मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, बैटरी विनिर्माण को आगे बढ़ाने, हरित रोजगार सृजन और साहसिक सुधारों के माध्यम से निवेश को सक्षम बनाने में एक विश्वसनीय ऊर्जा भागीदार के रूप में उभर रहा है।

तमिलनाडु ने गुजरात, महाराष्ट्र को पीछे छोड़ बना देश का शीर्ष वस्त्र निर्यातक

चेन्नई। तमिलनाडु वस्त्र निर्यात के मामले में देश का शीर्ष राज्य बनकर उभरा है। राज्य ने वित्त वर्ष 2024-25 में 799.717 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात दर्ज किए जो पिछले चार वर्षों में 29.12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले चार वर्ष में राज्य के निर्यात मूल्य में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2020-21 में तमिलनाडु का वस्त्र निर्यात 619.339 करोड़ डॉलर था। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रतिस्पर्धी राज्यों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, '' द्रविड़ मॉडल सरकार की योजनाबद्ध कार्रवाइयों से तमिलनाडु का वस्त्र निर्यात 2020-21 में 619.339 करोड़ डॉलर रहा जो अगले चार वर्ष में बढ़कर 799.717 करोड़ डॉलर हो गया। भारत के कुल निर्यात में तमिलनाडु की हिस्सेदारी 21.84 प्रतिशत है।'' 'नेशनल इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट रिकॉर्ड फॉर ईयरली एनालिसिस ऑफ ट्रेड' के अनुसार, भारत से निर्यातित वस्त्र उत्पादों का कुल मूल्य 3661 करोड़ डॉलर था जिसमें तमिलनाडु का योगदान 799.717 करोड़ डॉलर रहा। 'नेशनल इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट रिकॉर्ड फॉर ईयरली एनालिसिस ऑफ ट्रेड', केंद्र द्वारा शुरू किया गया एक विशेष मंच है जो विदेशी व्यापार पर वास्तविक व्यापक आंकड़े उपलब्ध कराता है। विज्ञप्ति में कहा गया, '' तमिलनाडु वस्त्र निर्यात में भारत में पहले स्थान पर है।'' इसमें कहा गया कि राज्य ने अन्य सभी राज्यों की तुलना में अधिक निर्यात के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है।

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन के इस्तीफे पर कोई बड़ी चिंता की बात नहीं: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंक के आचरण या शासन के संबंध में कोई बड़ी चिंता की बात नहीं है। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद केंद्रीय बैंक ने यह बात कही। आरबीआई ने बयान में कहा, '' एचडीएफसी बैंक एक घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी) है जिसके पास मजबूत वित्तीय स्थिति, पेशेवर तरीके से संचालित बोर्ड और सक्षम प्रबंधन दल है। हमारे समय-समय पर किए गए आकलन के आधार पर, इसके आचरण या शासन के संबंध में कोई बड़ी चिंता नहीं है।'' बयान में जोर दिया गया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और उसकी वित्तीय स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। साथ ही

पर्याप्त नकदी भी मौजूद है। यह बयान देश के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के 18 मार्च 2026 से अचानक इस्तीफे देने के बाद आया है। उन्होंने नैतिक चिंताओं का हवाला दिया था। यह पहली बार है जब एचडीएफसी बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में पद छोड़ा है जिससे इसके कामकाज को लेकर चिंताएं उठी हैं। आरबीआई ने बैंक के अनुरोध पर उसके अंशकालिक चेयरमैन के पद को लेकर एक अंतरिम व्यवस्था को मंजूरी दी है। एचडीएफसी बैंक के आवेदन पर भारतीय रिजर्व बैंक ने 18 मार्च 2026 को केकी मिस्त्री को 19 मार्च 2026 से तीन महीने की अवधि के लिए अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। बयान में कहा गया है कि आरबीआई आगे की कार्रवाई को लेकर निदेशक मंडल और प्रबंधन के साथ जुड़ा रहेगा। यह पहली बार है जब एचडीएफसी बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में पद छोड़ा है। इससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल उठे हैं। उनका कार्यकाल चार मई 2027 को समाप्त हो रहा था।

‘धुरंधर 2’ की बॉक्स ऑफिस पर दहाड़, प्रिव्यू से बना नया रिकॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' ने रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत कर दी है। 19 मार्च को दुनियाभर में रिलीज हुई इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सिनेमाघरों के बाहर लंबी कतारें और एडवांस बुकिंग के आंकड़े यह साफ संकेत दे रहे हैं कि फिल्म बड़े रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रही है। रिलीज से एक दिन पहले 18 मार्च को आयोजित पेड प्रिव्यू शोज में ही 'धुरंधर 2' ने शानदार कमाई करते हुए नया इतिहास रच दिया। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने भारत में प्रिव्यू शोज से करीब 44 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इस आंकड़े के साथ सीक्वल ने दिसंबर 2025 में आई पहली फिल्म 'धुरंधर' के 28 करोड़ रुपये के ओपनिंग डे कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, ग्रॉस कलेक्शन लगभग 52.71 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, हालांकि अंतिम आंकड़ों में थोड़ा बदलाव संभव है। पेड प्रिव्यू और विभिन्न वर्जन को मिलाकर फिल्म की कुल कमाई 50 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है, जिसके चलते 'धुरंधर 2' ने भारत में अब तक की सबसे बड़ी प्रीमियर ओपनिंग का खिताब अपने नाम कर लिया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' के नाम था, जिसने प्रिव्यू में 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। इसके अलावा, 'धुरंधर 2' ने उत्तरी अमेरिका में भी 13.06 करोड़ रुपये का अनुमानित कारोबार कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मजबूत शुरुआत दर्ज कराई है।

खुद को दोहराने की बजाय नई पहचान बनाने में यकीन रखती हैं दिव्या दत्ता

मुंबई। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर दर्शकों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने भले ही अपने करियर की शुरुआत सहायक भूमिका से की हो, लेकिन दर्शकों के बीच आज वह मुख्य कलाकार के रूप में पहचान रखती हैं। अपने लंबे सफर को याद करते हुए दिव्या ने कहा कि वे सिर्फ वही काम चुनती हैं, जिसमें उन्हें मजा आता है। उन्होंने कहा, “मुझे ऐसे रोल करना पसंद हैं, जिसे करने में मुझे सच में खुशी मिले। मैं ऐसे सेट पर काम करना पसंद करती हूं जहां मैं मुस्करा सकूं, हंस सकूं और अपने किरदार में पूरी तरह ढल जाऊं। जहां लोग मेरा हौसला बढ़ाएं और कहें कि यह तुम्हारी एक और अच्छी उपलब्धि है। मेरे लिए यह बहुत जरूरी है।” दिव्या ने अपने करियर में हर तरह के किरदार निभाए। साथ ही उन्होंने पंजाबी, अंग्रेजी, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है। अपने तीन दशक से ज्यादा समय इंडस्ट्री में बिताने के बाद दिव्या ने दर्शकों से बने रिश्ते पर बात की। उन्होंने कहा, “मैं इंडस्ट्री में 30 साल से काम कर रही हूं। इन सालों में मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है लोगों का प्यार। जहां भी मैं जाती हूं, लोग मुझे परिवार का हिस्सा मानते हैं और कहते हैं, यह तो हमारी अपनी है। किसी भी कलाकार के लिए यह सबसे बड़ा इनाम है।” उन्होंने आगे कहा, “मेरा सफर खुद को नई पहचान देने, हमेशा कुछ नया करने और कभी सफलता से संतुष्ट होकर रुक न जाने का रहा है। अगर मैं सोच लूं कि यह मेरा कम्फर्ट जोन है और बस ऐसे ही रोल करूंगी, तो मजा खत्म हो जाएगा। खुद को और दर्शकों को हमेशा कुछ नया देना सबसे अच्छी बात है।” अभिनेत्री दिव्या जिंदगी को ईसीजी रिपोर्ट की तरह देखती हैं। उनका कहना है कि जिंदगी में उतार-चढ़ाव आना आम बात है लेकिन हमें हर पल को खुलकर जीना चाहिए, मजा लेना चाहिए और महसूस करना चाहिए। जो कुछ लोग मिलकर या काम से सीखते हैं, उसे अपनाना चाहिए।” दिव्या दत्ता जल्द ही आगामी सीरीज चिरैया में नजर आएंगी। इसमें वे एक ऐसी महिला का किरदार निभाती दिखेंगी, जो समाज के सामने सवाल उठाते हुए अपने ही लोगों से लड़ती दिखेगी।

‘मातृभूमि’ का नया गाना ‘चांद देख लेना’ रिलीज

अभिनेता सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मातृभूमि' (पूर्व में 'बैटल ऑफ गलवान') भले ही इस ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो रही हो, लेकिन उन्होंने अपने फैंस को खास तोहफा दिया है। फिल्म से रोमांटिक गाना 'चांद देख लेना' जारी कर दिया गया है, जिसने आते ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। ईद के खास मौके पर रिलीज हुआ यह गाना प्रेम की अटूट शक्ति को दर्शाता है। गाने में चित्रांगदा सिंह भी नजर आ रही हैं और दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इसके दृश्य सलमान के पुराने हिट गीत जलते दिए की याद दिलाते हैं। गाने को हिमेश रेशमिया ने संगीतबद्ध किया है, जबकि इसके बोल समीर अंजान ने लिखे हैं। इसे निहाल टौरो और अंकोना मुखर्जी ने अपनी आवाज दी है। गाने को शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, ₹आज आसमान में चांद देखने को नहीं मिला, कोई बात नहीं३ मातृभूमि का चांद देख लेना३ मे वार रेस्ट इन पीस। बताया जा रहा है कि फिल्म 'मातृभूमि' अगस्त 2026 तक सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिलहाल इस गाने ने फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है।

पहली फिल्म से रातों-रात स्टार बनीं तनुश्री दत्ता

मुंबई। तनुश्री दत्ता के जन्मदिन पर उनके करियर के खास पहलुओं की चर्चा हो रही है। आशिक बनाया आपने से पहचान बनाने के बाद उन्होंने बॉलीवुड छोड़ अध्यात्म का रास्ता चुना और #MeToo मूवमेंट में अहम भूमिका निभाई। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता गुरुवार को अपना 42वां जन्मदिन मनाई हैं। तनुश्री का जन्म 19 मार्च 1984 को झारखंड के जमशेदपुर में हुआ था। तनुश्री ने अपने करियर की शुरुआत से ही इंडस्ट्री में खास पहचान बना ली थी। हालांकि, आज वह फिल्मों से दूर हैं, लेकिन उनका सफर अब भी चर्चा में बना रहता है।